2026 ASIA PACIFIC PRECIOUS METALS CONFERENCE

(9TH EDITION)

14-16 JUNE 2026

SHANGRI-LA HOTEL | ORANGE GROVE ROAD | SINGAPORE

CONNECTING MARKETS

SHAPING FUTURE

SBMA

MARK
YOUR
DATES

www.asiapacificpmc.com

www.goldconference.in

Volume 6 | Issue 02 | February 2026

Price Rs 60

Bullion World

World of Bullion Research

www.bullionworld.in

मुख्य विशेषताएँ:
यूनियन बजट 2026
10

MMTC-PAMP ने नई दिल्ली में पारदर्शी और त्वरित चांदी बायबैक सेवा शुरू की
14

सिल्वर में बदलाव:
आपूर्ति घाटा, औद्योगिक मांग और एक नया मूल्य परिदृश्य
24

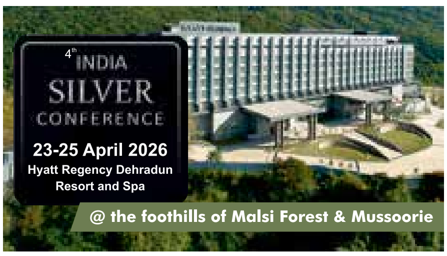

2026 ASIA PACIFIC PRECIOUS METALS CONFERENCE
(9TH EDITION)
14-16 JUNE 2026
SHANGRI-LA HOTEL | ORANGE GROVE ROAD, SINGAPORE

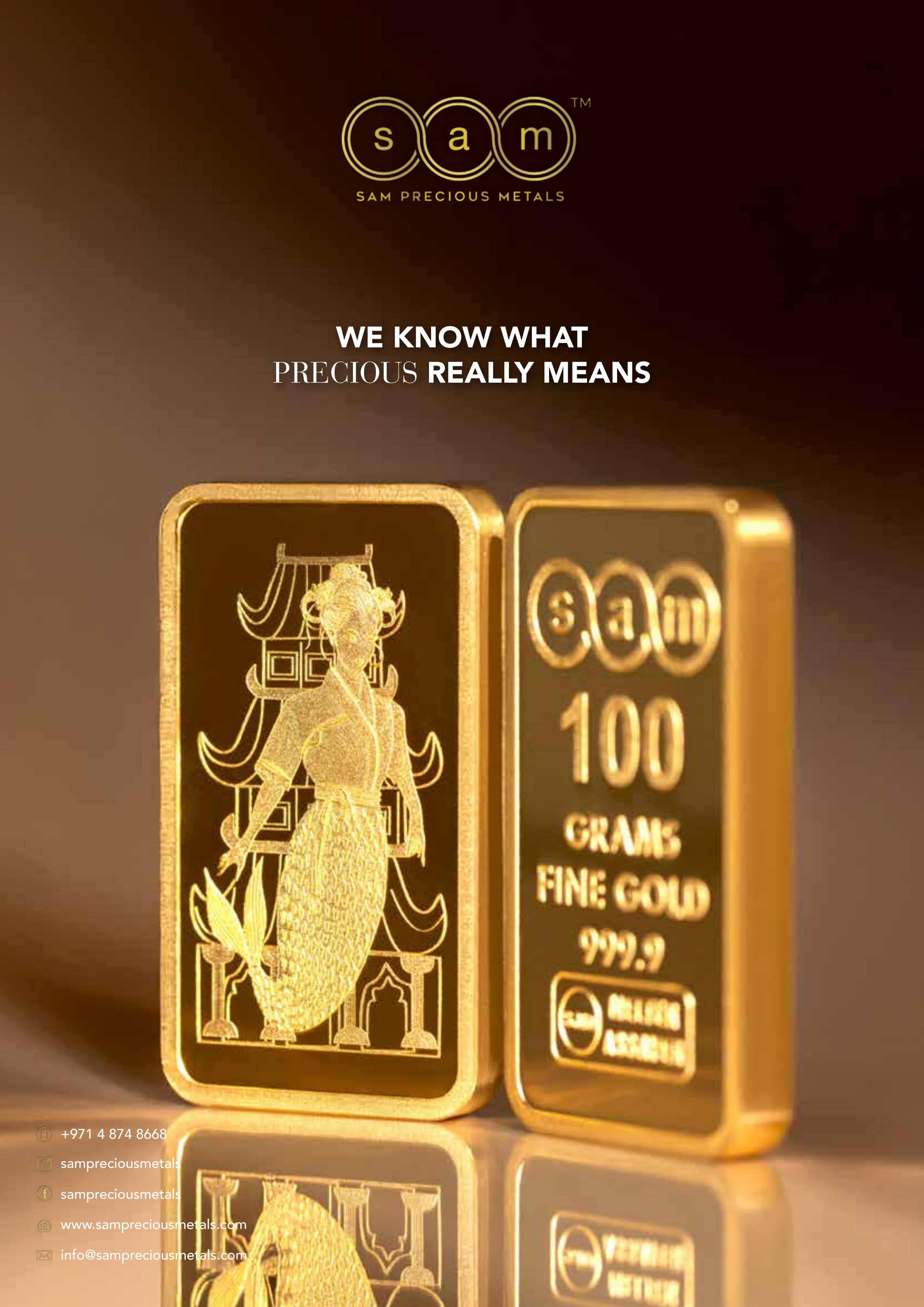
TM
SAM PRECIOUS METALS
WE KNOW WHAT
PRECIOUS REALLY MEANS
100
GRAMS
FINE GOLD
999.9
+971 4 874 8668
sampreciousmetals
sampreciousmetals
www.sampreciousmetals.com
info@sampreciousmetals.com

THE WORLD'S MOST CONSIDERATE® PRECIOUS METALS

ABC® REFINERY
A PALLION COMPANY
abcrefinery.com

ABC® BULLION
A PALLION COMPANY
abcbullion.com

LBMA GOOD DELIVERY REFINER
CME Group
SBMA
NATA ACCREDITED FOR TECHNICAL COMPETENCE
STANDARDS Australia
IEC
ilac
AUSTRALIAN MADE
GRI

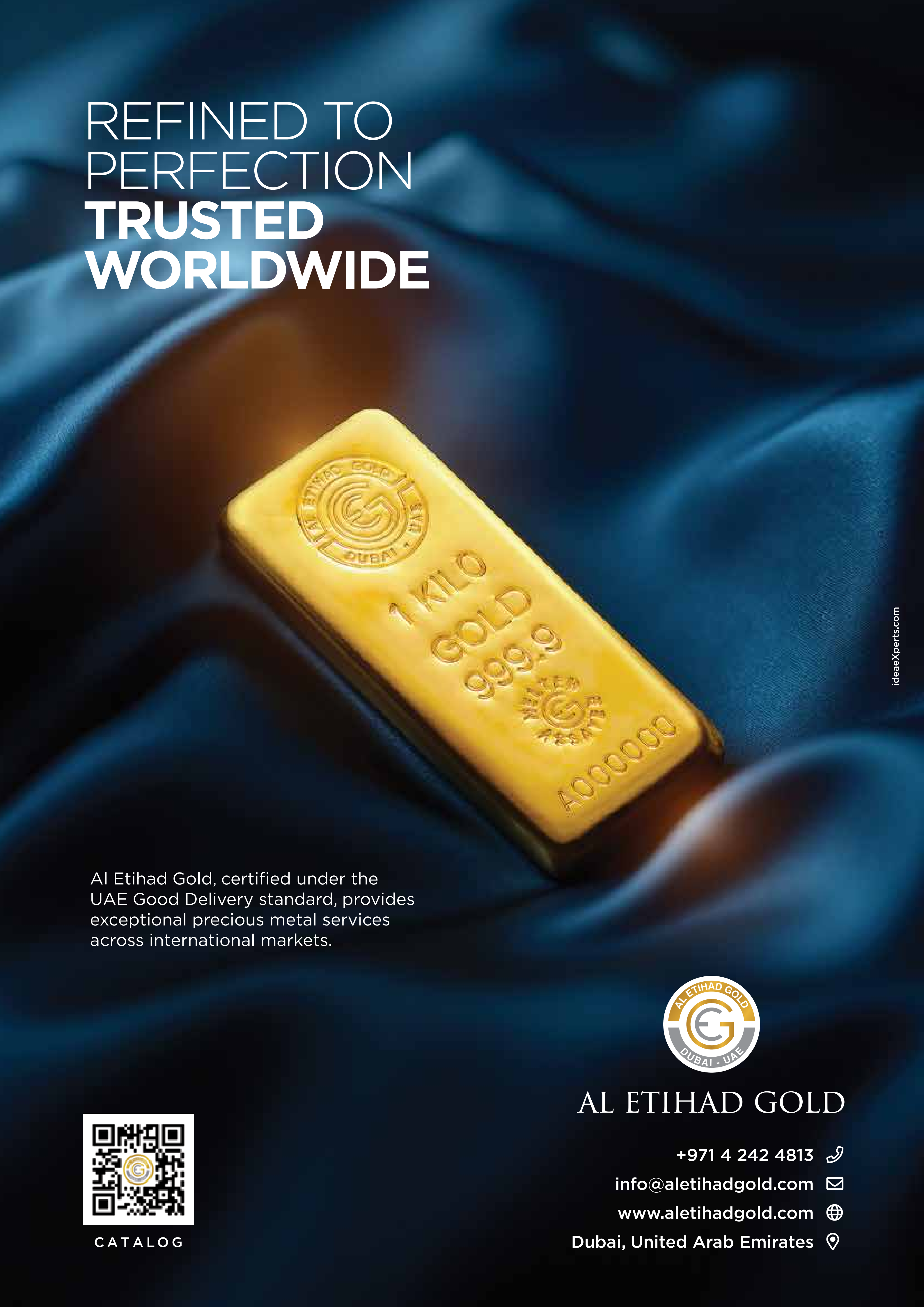
REFINED TO PERFECTION
TRUSTED WORLDWIDE
1 KILO
GOLD
999.9
A000000
Al Etihad Gold, certified under the UAE Good Delivery standard, provides exceptional precious metal services across international markets.
AL ETIHAD GOLD
DUBAI - UAE
AL ETIHAD GOLD
+971 4 242 4813
info@aletihadgold.com
www.aletihadgold.com
Dubai, United Arab Emirates
CATALOG
ideaeXperts.com

EXCHANGE TRADED BULLION CONTRACTS -

FAIR AND TRANSPARENT MEANS OF INVESTMENT

SMALLER DENOMINATION GOLD & SILVER FUTURES CONTRACTS

Developing gold and silver as an asset class. Investment in smaller denomination contracts backed with delivery is witnessing an increasing interest from retail participants.

Smaller denomination contracts are designed to cater to the organized retail investor demand. They also capture the imagination of a fast emerging new-age clientele with an evolving view on gold and silver as an investment class.

SALIENT FEATURES

- Smaller denomination contract
- Coins and bars can be held and accumulated in the electronic format and physical delivery also available
- It comes with an individual assaying certificate with quality assurance
- Convenience of transaction and liquidity of exchange platform are key advantages
- Better Cash flow management and margin protection
- Inventory hedging amid volatile prices

Issued in Public Interest by MCX IPF
Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting or investing in Commodity Derivatives Market

MCX
METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

सलाहकार मंडल

राजेश खोसला
पृथ्वीराज कोठारी
भार्गव वैद्य
सुरेन्द्र मेहता

निदेशक एवं सीईओ
जी श्रीवत्सव

निदेशक एवं सीओओ
विनायक मेहरवडे

उपाध्यक्ष
अभिनया एस
स्वप्ना बी ई

सामग्री टीम
एन श्रीनिवास मूर्ति, प्रतीक तांब्रे

विपणन टीम
रवि भांडगे, प्राजक्ता सरदेसाई

ग्राफिक डिज़ाइनर
राधिका के, सतियन के

वेब डेवलपर
मणिवन्नन, इमयावरंबन जी

अनुवादक
खुशी वर्मा

डेटा सहायता
गजेन्द्र, संजय

टीम
वेंकट्रमान एस, कृष्णेंदु रॉय, नवीन
निक्षेप टी ए, सिंधु होस्मनी, श्रीकांतारमन
एलएस चंद्रशेखरन एस,शिवकुमार, सुमलता
जयशिलन, राम्या, वरुण

वीडियोग्राफर
आर ए जिराली

प्रकाशन कार्यालय
बुलियन वर्ल्ड
#146, 1-2 फ़्लोर, गोपाल टावर्स,
रामय्या स्ट्रीट, एचएएल एयरपोर्ट रोड,
कोडिहल्ली, बेंगलुरु - 560008
फोन: +91-80-41535476, +91 9343734140
ईमेल: editor@bullionworld.in
वेब: www.bullionworld.in

स्पष्टीकरण:
बुलियन वर्ल्ड न तो विज्ञापित उत्पाद, सेवा या कंपनी का समर्थन करता है और न ही किसी विज्ञापन या विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावों का। पाठकों को किसी भी कार्रवाई से पहले आवश्यक जांच-पड़ताल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यदि आप किसी विज्ञापनदाता पर प्रतिक्रिया साझा करना चाहते हैं, तो कृपया editor@bullionworld.in पर लिखें।

10
मुख्य विशेषताएँ: यूनियन बजट 2026

13
प्रेस नोट

14
MMTC-PAMP ने नई दिल्ली में पारदर्शी और त्वरित चांदी बायबैक सेवा शुरू की

17
मित्सुबिशी मटेरियल्स: सिल्वर इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट टेक्नोलॉजी की रीढ़ का इंजीनियरिंग

21
बड़े पैमाने पर प्रक्रिया की अखंडता: जॉनसन मैथे और सिल्वर ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं का औद्योगिक विज्ञान

24
सिल्वर में बदलाव: आपूर्ति घाटा, औद्योगिक मांग और एक नया मूल्य परिदृश्य

28
दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट: नया वैश्विक स्वर्ण केंद्र

30
क्या आज के बाजार में कैश-सेटल्ड गोल्ड और सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट्स की वास्तविक में आवश्यकता है?

32
भारत सिल्वर तथ्य पत्रक (2024–2025)

संपादक का संदेश

प्रिय पाठकों

प्रिय पाठकों,
जनवरी 2026 को आने वाले समय में सोने और चांदी के लिए सबसे ऐतिहासिक महीनों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। इस महीने जो घटनाएँ हुईं, वे अभूतपूर्व, अप्रत्याशित और अचानक थीं। जनवरी 2026 में सोने की औसत कीमतें (INR में) दिसंबर 2025 की औसत कीमतों की तुलना में 9.6% बढ़ीं, जबकि सोने की कीमत 1,35,080 रुपये से 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच रही। वहीं, जनवरी 2026 में चांदी की औसत कीमतें दिसंबर की औसत कीमतों की तुलना में 44.5% बढ़ीं, जिसमें उच्चतम और न्यूनतम कीमत क्रमशः 4,20,000 रुपये और 2,33,850 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई।

इस प्रकार, सोने और चांदी दोनों की कीमतों में न केवल तीव्र उतार-चढ़ाव देखा गया, बल्कि दिन के भीतर भी भारी उतार-चढ़ाव दर्ज किए गए, जो मुख्य रूप से मांग को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों, अप्रमाणित सूचनाओं और 'स्टॉक-आउट' की आशंकाओं से प्रेरित थे। जनवरी 2026 में गोल्ड और सिल्वर ETF में भी गतिविधि तेज रही, जिसमें कुल गोल्ड एयूएम 1,84,276 करोड़ रुपये और सिल्वर एयूएम 1,16,727 करोड़ रुपये रहा। जनवरी 2026 के अंत तक, ETF के पास सोने और चांदी की होल्डिंग क्रमशः 109.05 टन और 3,439 टन रही। जबकि निवेश मांग कीमतों में वृद्धि के अनुरूप बढ़ी, ज्वेलरी दुकानों पर केवल आवश्यक (गैर-वैकल्पिक) खरीदारी ही की गई।

सेबी द्वारा विनियमित डेरिवेटिव बाजार, जैसे MCX, ने इन अशांत परिस्थितियों में असाधारण मजबूती दिखाई। अक्टूबर 2025 से अब तक की पूरी अवधि में उच्च अस्थिरता देखी गई, लेकिन जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह, विशेषकर 29 और 30 जनवरी को जो स्थिति रही, उसकी तुलना नहीं की जा सकती। 29 और 30 जनवरी को चांदी की कीमतों में उच्चतम और न्यूनतम स्तर के बीच क्रमशः 44,000 रुपये (समापन मूल्य का 11%) और 91,000 रुपये (समापन मूल्य का 31%) का अंतर रहा। वहीं, सोने की कीमतों में 29 और 30 जनवरी को उच्च-निम्न अंतर क्रमशः 22,971 रुपये (समापन मूल्य का 13%) और 18,925 रुपये (समापन मूल्य का 12%) रहा।

एमसीएक्स ने अभूतपूर्व अस्थिरता का जवाब कई संतुलित उपायों के माध्यम से दिया, जैसे कि मार्जिन में वृद्धि (जैसा कि सेबी द्वारा निर्धारित किया गया), बुलियन कोलेटरल लिमिट को 100 करोड़ से बढ़ाकर 200 करोड़ करना आदि। ऑप्शंस सेगमेंट में, चांदी के लिए स्ट्राइक प्राइस बैंड को ₹250 से बढ़ाकर ₹1,000 किया गया। इसी तरह, सोने के लिए ऑप्शन स्ट्राइक प्राइस बैंड को ₹250 से बढ़ाकर ₹500 किया गया।

सामूहिक रूप से, इन उपायों ने सुनिश्चित किया कि कोई डिफॉल्ट न हो और पूरा इकोसिस्टम सुचारू रूप से कार्य करता रहे। अंत में और सबसे महत्वपूर्ण, फरवरी कॉन्ट्रैक्ट के मुकाबले एमसीएक्स पर रिकॉर्ड 5.6 टन सोने की बुलियन (सभी रूपों में) की डिलीवरी हुई। हाँ, कुछ प्रतिभागियों को लगा कि हमारा इकोसिस्टम जोखिम मूल्यांकन और मार्जिनिंग के मामले में काफी रूढ़िवादी है। कुल मिलाकर, सेबी की निगरानी में एमसीएक्स जैसे डेरिवेटिव मार्केटप्लेस ने यह सुनिश्चित किया कि सोने और चांदी की कीमतों में इतनी तीव्र अस्थिरता के बावजूद प्रणाली ने बिना किसी बाधा के कार्य किया और जोखिम प्रबंधन के प्लेटफॉर्म के साथ-साथ सोने की भौतिक डिलीवरी के लिए एक पसंदीदा बाजार के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बुलियन वर्ल्ड के इस संस्करण में, हम आपके लिए केंद्रीय बजट की व्यापक झलक प्रस्तुत करते हैं, इसके बाद गोल्डबॉन्ड पर एक विशेष फीचर दिया गया है। एमएमटीसी पीएएमपी ने चांदी बायबैक पर अपनी पायलट पहल से जुड़े अनुभव साझा किए हैं, जो चांदी बाजार के बदलते स्वरूप की झलक प्रदान करते हैं। हम चांदी के औद्योगिक क्षेत्र की दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भी प्रस्तुत कर रहे हैं, जिन्हें उनके उत्कृष्ट संचालन के लिए पहचाना जाता है। अंत में, इस अंक को समापन देते हुए हम दुबई के गोल्ड डिस्ट्रिक्ट पर एक विशेष एक-पृष्ठ फीचर और भारत में कीमती धातुओं के कैश सेटलमेंट रुझानों का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं।

सादर शुभकामनाओं सहित,
जी. श्रीवत्सव
संपादक

हम इस अंक की सामग्री पर आपके सुझाव और प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करके प्रसन्न होंगे।
कृपया editor@bullionworld.in पर हमें लिखें।

मुख्य विशेषताएँ: यूनियन बजट 2026

सी.ए. भार्गव वैद्य एवं सी.ए. भक्ति वैद्य

आयकर अधिनियम, 2025 (जो आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा) 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। माननीय वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सरलीकृत आयकर नियम और प्रपत्र शीघ्र ही अधिसूचित किए जाएंगे।

बजट 2026 की कुछ प्रमुख घोषणाएँ नीचे चर्चा की गई हैं।

आयकर प्रावधान

कर दरें यथावत रखी गईं

- **व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार ('HUF'), फर्मों या कंपनियों के लिए कर दरों में कोई परिवर्तन प्रस्तावित नहीं किया गया है।**
- **पुराने कर व्यवस्था से नई कर व्यवस्था में कंपनियों को स्थानांतरित होने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह प्रस्तावित है कि पुराने व्यवस्था के अंतर्गत भुगतान किया गया MAT अंतिम कर माना जाएगा और कोई नया MAT क्रेडिट नहीं दिया जाएगा। MAT दर को बुक प्रॉफिट के 15% से घटाकर 14% करने का प्रस्ताव है और MAT क्रेडिट का समायोजन केवल नई व्यवस्था के अंतर्गत ही अनुमत होगा, जो कर देयता के 25% तक सीमित रहेगा।**

आयकर रिटर्न दाखिल करने से संबंधित परिवर्तन

आयकर रिटर्न दाखिल करने की प्रस्तावित संशोधित अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं:

Category	Due date
Individuals (ITR 1 and 2)	31 July
Non audit business and trusts	31 August
Company, audited entity, partner of a firm subject to audit	31 Octoberw
Assessees where transfer pricing is applicable	30 November

- आयकर रिटर्न के संशोधित रिटर्न दाखिल करने की वर्तमान समय सीमा (वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 9 महीने – 31 दिसंबर) को बढ़ाकर वित्तीय वर्ष की समाप्ति (31 मार्च) से 12 महीने करने का प्रस्ताव है, जो शुल्क के भुगतान के अधीन होगा।
- यह प्रस्तावित है कि हानि (लॉस) में कमी के मामलों में भी अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की अनुमति दी जाए। साथ ही, करदाता पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू होने के बाद भी अतिरिक्त 10% कर का भुगतान कर रिटर्न अपडेट कर सकेंगे, जिससे स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा मिलेगा।

गिफ्ट सिटी – IFSC इकाइयाँ

- IFSC इकाइयों के लिए कर अवकाश को 25 वर्षों में से लगातार 20 वर्षों तक (वर्तमान 15 वर्षों में से 10 वर्षों के स्थान पर) बढ़ाने का प्रस्ताव है और अवकाश अवधि के बाद व्यापारिक आय पर 15% की रियायती कर दर लागू होगी।

बायबैक टैक्स

- पिछले वर्ष किए गए संशोधन को आंशिक रूप से वापस लेते हुए यह प्रस्तावित है कि बायबैक से प्राप्त आय सभी शेयरधारकों के लिए कैपिटल गेन के रूप में करयोग्य होगी (जबकि बजट 2025 में इसे डिविडेंड के रूप में माना गया था)। प्रमोटरों पर अतिरिक्त बायबैक टैक्स लागू होगा, जो दुरुपयोग रोकने के उद्देश्य को दर्शाता है।

फ्यूचर्स और ऑप्शंस के लिए सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) दरों में वृद्धि

- वर्ष 2024 में STT दरों में अंतिम वृद्धि के बाद, बजट 2026 में फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर STT बढ़ाने का प्रस्ताव निम्नानुसार है।

Transaction Type	Existing STT rate	Proposed STT rate	Basis of Levy
Option (not exercised)	0.10%	0.15%	Option premium
Option (not exercised)	0.125%	0.15%	Intrinsic price
Futures	0.02%	0.05%	Traded price

- यह उल्लेखनीय है कि कमोडिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (CTT) में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

मूल्यांकन, दंड और अपीलीय कार्यवाही में प्रमुख परिवर्तन

- मूल्यांकन और दंड कार्यवाही को एकीकृत करने के लिए एक साझा आदेश जारी करने का प्रस्ताव है।
- दंड और अभियोजन से छूट को अब केवल अंडर-रिपोर्टिंग ही नहीं, बल्कि मिस-रिपोर्टिंग के मामलों तक भी बढ़ाने का प्रस्ताव है, बशर्ते कि मिस-रिपोर्टिंग के मामलों में 100% अतिरिक्त कर का भुगतान किया जाए।
- मूल्यांकन आदेश को चुनौती देने के लिए अग्रिम/जमा किए जाने वाले कर की राशि को 20% से घटाकर 10% करने का प्रस्ताव है, जो केवल बेस टैक्स डिमांड पर आधारित होगी। (बजट भाषण में घोषित)

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स का कराधान

- यह स्पष्ट करने का प्रस्ताव है कि SGB पर लागू कैपिटल गेन छूट केवल तभी मिलेगी जब SGB सीधे RBI से खरीदे जाएं और परिपक्वता तक रखे जाएं। इसलिए, सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए SGB को यह लाभ नहीं मिलेगा और वे कर के अधीन होंगे।

छोटे करदाताओं के लिए कम दर पर कर कटौती हेतु आवेदन

- छोटे करदाताओं (जिस श्रेणी को अधिसूचित किया जाएगा) के लिए यह प्रस्ताव है कि कम दर या शून्य दर पर कर कटौती के प्रमाणपत्र जारी करने हेतु आवेदन निर्धारित आयकर प्राधिकरण को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया जा सकेगा।
- निर्धारित आयकर प्राधिकरण आवेदन की इलेक्ट्रॉनिक रूप से जांच करेगा और निर्धारित शर्तों की पूर्ति होने पर प्रमाणपत्र जारी करेगा, अथवा यदि निर्धारित शर्तें पूरी नहीं होती हैं या आवेदन अपूर्ण है तो उसे अस्वीकार कर सकता है। इस संबंध में नियम अधिसूचित किए जाएंगे।

अन्य प्रमुख प्रस्ताव

- उधार लिए गए धन पर ब्याज की कटौती को डिविडेंड आय के विरुद्ध सीमित करने का प्रस्ताव है (वर्तमान में डिविडेंड आय के 20% तक अनुमत)।
- कर्मचारी अंशदान (PF, ESIC आदि) जमा करने की अंतिम तिथि को आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि के साथ समायोजित करने का प्रस्ताव है, जिससे इस विषय पर विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी।
- अघोषित क्रेडिट और अघोषित निवेश पर कर दर को 60% से घटाकर 30% करने का प्रस्ताव है।
- TCS प्रावधानों को तर्कसंगत बनाया गया है: जैसे स्क्रैप, खनिज और शराब पर 2% की एक समान दर; साथ ही उदारीकृत प्रेषण योजना (शिक्षा/चिकित्सा) पर TCS को घटाकर 2% किया गया है। इसके अतिरिक्त, विदेशी टूर पैकेज पर TCS को 2% पर मानकीकृत किया गया है और सीमा (थ्रेशोल्ड) हटा दी गई है।
- भारत में डेटा सेंटर स्थापित कर क्लाउड सेवाएं प्रदान करने वाली विदेशी कंपनियों के लिए 2047 तक कर अवकाश का प्रस्ताव है, जो भारतीय री-सेलर इकाई के माध्यम से स्थानीय ग्राहकों को सेवाएं देंगी। भारत से डेटा सेंटर सेवाएं प्रदान करने वाली संबंधित इकाइयों को 15% का सेफ-हार्बर प्रदान किया जाएगा।
- खातों का ऑडिट न कराने, TP रिपोर्ट प्रस्तुत न करने तथा वित्तीय लेनदेन या रिपोर्टेबल खाते के विवरण प्रस्तुत न करने में चूक पर दंड को प्रतिदिन के आधार पर शुल्क में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है, जो अधिकतम सीमा के अधीन होगा।
- सॉफ्टवेयर विकास सेवाएँ, आईटी सक्षम सेवाएँ, नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग सेवाएँ तथा सॉफ्टवेयर विकास से संबंधित कॉन्ट्रैक्ट R&D सेवाओं को एक ही श्रेणी 'इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेवाएँ' के अंतर्गत शामिल करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए 15.5% का समान सेफ हार्बर मार्जिन निर्धारित किया गया है (बजट भाषण में घोषित)।

एकमुश्त विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना

- छोटे करदाताओं के लिए एक बार की विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण विंडो (6 महीने) के रूप में शुरू की गई है, जो निर्धारित सीमा से कम मूल्य वाली विदेशी संपत्तियों पर लागू होगी।
- यह निवासी व्यक्तियों को अतीत में विदेश निवेश के अप्रकटीकरण को नियमित करने में सहायता करेगी।
- ₹1 करोड़ तक की अघोषित विदेशी आय/संपत्ति पर – 30% कर + 30% जुर्माना।
- जहाँ कर पहले ही चुका दिया गया है लेकिन संपत्ति का खुलासा नहीं किया गया (₹5 करोड़ तक) – ₹1 लाख का जुर्माना।

अप्रत्यक्ष कर प्रस्ताव

सोने के डोरे/ चांदी के डोरे पर शुल्क दर में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और केवल एक सनसेट क्लॉज (31 मार्च 2027) शामिल किया गया है।

माननीय वित्त मंत्री ने अपने भाषण में यह भी उल्लेख किया कि वैश्विक व्यापार व्यवधानों के कारण विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZ) में विनिर्माण इकाइयों की क्षमता उपयोग से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए, एक विशेष एकमुश्त उपाय प्रस्तावित किया गया है, जिसके तहत पात्र विनिर्माण इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र (DTA) में रियायती शुल्क दरों पर बिक्री की सुविधा दी जाएगी। इस संबंध में अधिसूचना के विस्तृत प्रावधानों को देखना आवश्यक होगा।

यदि आप उपरोक्त किसी भी विषय पर विस्तार से चर्चा करना चाहते हैं या अपने मामले में इसकी लागूता समझना चाहते हैं, तो आप निम्नलिखित पर हमसे संपर्क कर सकते हैं:

bnvcaoffice@gmail.com, bnv1964@yahoo.co.in, और bhaktivaidyaassociates@gmail.com

बी. एन. वैद्य एंड एसोसिएट्स
ग्राउंड फ्लोर, वैद्य भवन, 92 आत्माराम मर्चेंट रोड, मुंबई 400-002
दूरभाष: +91 22 2208 7849

प्रेस नोट

Vintage Bullion

विंटेज बुलियन डीएमसीसी कीमती धातुओं के वेयरहाउस रसीदों के लिए ओसाका एक्सचेंज द्वारा स्वीकृत पहली विदेशी कंपनी बनी

दुबई, यूएई / मुंबई, भारत - फरवरी 2026 - विंटेज बुलियन डीएमसीसी, दुबई स्थित कीमती धातुओं की ट्रेडिंग फर्म, जिसकी स्थापना कुनाल बंसल द्वारा की गई है, को ओसाका एक्सचेंज, इंक. (OSE) द्वारा कीमती धातुओं के वेयरहाउस रसीदों के जारी करने हेतु कस्टडी चेन में एक "Approved Person" के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह स्वीकृति पहली बार है जब किसी विदेशी कंपनी को जापान एक्सचेंज ग्रुप (JPX) के अंतर्गत एक प्रमुख डेरिवेटिव्स एक्सचेंज ओसाका एक्सचेंज द्वारा यह दर्जा दिया गया है। इस मान्यता के तहत विंटेज बुलियन डीएमसीसी को OSE पर ट्रेड होने वाली कीमती धातुओं के डिलीवरी सेटलमेंट में भाग लेने की अनुमति मिलती है, जो एक स्वीकृत जापानी ब्रोकर सदस्य के माध्यम से संचालित होगी।

यह स्वीकृति एक विस्तृत समीक्षा प्रक्रिया के बाद प्रदान की गई है और यह विंटेज बुलियन के मजबूत संचालन नियंत्रण, अनुपालन ढांचे और कीमती धातुओं के ट्रेडिंग एवं कस्टडी में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी डिलीवरी से संबंधित लेनदेन के लिए OSE के स्वीकृत ब्रोकर सदस्य युताका ट्रस्टी सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड के साथ कार्य करेगी।

जापान दुनिया के सबसे बड़े और परिष्कृत कीमती धातु बाजारों में से एक है, जहां औद्योगिक, वाणिज्यिक और निवेश उपयोगकर्ताओं से महत्वपूर्ण मांग है। व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को सक्षम बनाकर, OSE मूल्य खोज और जोखिम प्रबंधन के लिए एक पारदर्शी और कुशल बाजार के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, विंटेज बुलियन डीएमसीसी के बिजनेस हेड विनीत अग्रवाल ने कहाः "यह स्वीकृति हमारे टीम के लंबे समय तक किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। यह न केवल हमारे सिस्टम और प्रक्रियाओं पर नियामकीय विश्वास को दर्शाती है, बल्कि वैश्विक एक्सचेंजों में भरोसेमंद, संस्थागत स्तर की बाजार पहुंच बनाने के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करती है।"

दुबई में स्थापित और अंतरराष्ट्रीय कीमती धातु बाजारों में सक्रिय विंटेज बुलियन डीएमसीसी ने अनुशासित निष्पादन, मजबूत प्रतिपक्ष संबंधों और अनुपालन-आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। OSE की यह स्वीकृति विनियमित वैश्विक बाजारों में कंपनी के निरंतर विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है।

विंटेज बुलियन डीएमसीसी के बारे में

विंटेज बुलियन डीएमसीसी, ग्रुप विंटेज की एक कंपनी है, जो दुबई स्थित कीमती धातुओं की ट्रेडिंग कंपनी है और सोना, चांदी तथा अन्य कीमती धातु बाजारों में संचालित होती है। यह फर्म वैश्विक स्तर पर संस्थागत प्रतिपक्षों के साथ कार्य करती है और पारदर्शी, अनुपालन-आधारित तथा दीर्घकालिक बाजार सहभागिता पर केंद्रित है। ग्रुप विंटेज एक बहु-उद्यम व्यावसायिक समूह है, जो यूएई और वैश्विक बाजारों में कमोडिटीज, रियल एस्टेट एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्रों में संचालित होता है।

MMTC-PAMP
एमएमटीसी-पीएएमपी ने नई दिल्ली के करोल बाग और लाजपत नगर स्थित एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर्स में पारदर्शी और त्वरित चांदी बायबैक सेवा शुरू की

ग्राहक अब दिल्ली के एक्सक्लूसिव स्टोर्स में उपलब्ध एक पारदर्शी बायबैक प्रक्रिया के माध्यम से एमएमटीसी-पीएएमपी को चांदी के सिक्के, बार या आभूषण बेच सकते हैं, जिसमें लाइव शुद्धता जांच, स्पष्ट मूल्यांकन और तुरंत बैंक भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

श्री समित गुहा, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य सीईओ

MMTC-PAMP Swiss Excellence. Made in India.

एमएमटीसी-पैम्प, भारत का सोने और चांदी के लिए विश्वसनीय ब्रांड, ने नई दिल्ली के करोल बाग और लाजपत नगर स्थित अपने एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर्स पर पारदर्शी और तुरंत सिल्वर बायबैक सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह सेवा शुद्धता की सत्यापित जांच, पारदर्शी मूल्यांकन और तत्काल बैंक ट्रांसफर भुगतान प्रदान करके चांदी बेचने की प्रक्रिया को सरल बनाती है।

भारतीय घरों में चांदी आम तौर पर सिक्कों, बार या आभूषण के रूप में रखी जाती है, जिसे अक्सर समय के साथ व्यक्तिगत उपयोग या उपहार के लिए खरीदा जाता है। चांदी बेचते समय ग्राहकों को पारंपरिक रूप से शुद्धता की जांच, कीमत की पारदर्शिता और भुगतान की समय-सीमा से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

MMTC-PAMP की सिल्वर बायबैक सेवा इन चिंताओं को दृश्य परीक्षण और स्पष्ट रूप से निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से दूर करती है। ग्राहक अपने चांदी के सामान के साथ MMTC PAMP एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर पर जा सकते हैं और एक सरल इन-स्टोर प्रक्रिया के माध्यम से लेनदेन पूरा कर सकते हैं।

एमएमटीसी-पैम्प में सिल्वर बायबैक प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों के माध्यम से पूरी की जाती है:

1. ग्राहक अपने चांदी के सिक्के, बार या आभूषण लेकर एमएमटीसी-पैम्प एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर पर जाते हैं।
2. प्रत्येक चांदी के आइटम को पिघलाया जाता है और XRF तकनीक का उपयोग करके परीक्षण किया जाता है, जो सटीक शुद्धता जांच के लिए उद्योग का मानक है।
3. परीक्षण लाइव सीसीटीवी निगरानी के तहत किया जाता है, जिससे ग्राहक इस प्रक्रिया को वास्तविक समय में देख सकते हैं।
4. शुद्धता की जांच के बाद प्रचलित बाजार बायबैक दर के आधार पर चांदी का मूल्य निर्धारित किया जाता है।
5. प्रक्रिया पूरी होने पर अंतिम राशि तुरंत ग्राहक के निर्धारित बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है।

सिल्वर बायबैक सेवा का लाभ लेने के लिए ग्राहकों को पहचान सत्यापन हेतु वैध आधार कार्ड या पैन कार्ड प्रदान करना आवश्यक है, साथ ही बैंक खाता सत्यापन और भुगतान प्रक्रिया के लिए एक रद्द किया हुआ चेक भी देना होगा। यह सेवा वर्तमान में केवल नई दिल्ली के करोल बाग और लाजपत नगर स्थित एमएमटीसी-पैम्प एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर्स पर उपलब्ध है।

अधिकांश चांदी के सिक्के, बार और आभूषण बायबैक के लिए प्रस्तुत किए जा सकते हैं, बशर्ते कि प्रक्रिया के दौरान किए जाने वाले सत्यापन और मानक गुणवत्ता जांच में वे उपयुक्त पाए जाएँ। जिन वस्तुओं की शुद्धता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होती या जिनमें हानिकारक या अप्रसंस्करणीय अशुद्धियाँ होती हैं, वे बायबैक के लिए पात्र नहीं हो सकती हैं।

सिल्वर बायबैक सेवा की शुरुआत एमएमटीसी-पैम्प की मौजूदा गोल्ड बायबैक नीति पर आधारित है, जो पहले से ही भारत भर में उसके एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर्स पर उपलब्ध है। इस नई सेवा के साथ एमएमटीसी-पैम्प ने चुनिंदा स्थानों पर अपने बायबैक ऑफर में चांदी को भी शामिल कर लिया है। सिल्वर बायबैक सेवा के माध्यम से ग्राहक अब अपनी चांदी की वस्तुओं को आसानी और भरोसे के साथ बेच सकते हैं। साथ ही ग्राहक एमएमटीसी-पैम्प द्वारा उपलब्ध 999.9+ शुद्धता वाले भौतिक सोने और चांदी के सिक्के व बार भी खरीद सकते हैं। यह लचीलापन महत्वपूर्ण है क्योंकि चांदी का घरेलू उपयोग लगातार बना हुआ है और विभिन्न उद्योगों में इसका उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है।

चांदी भारतीय घरों में उपहार और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए लंबे समय से मूल्यवान मानी जाती है। इसके अलावा, आधुनिक उद्योगों में भी इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसमें स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियाँ, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। ये सभी कारण मिलकर कीमती धातुओं की होल्डिंग में सोने के साथ-साथ चांदी को भी एक विशिष्ट और स्थायी स्थान देते हैं।

भारत में सोना और चांदी विभिन्न व्यक्तिगत और वित्तीय कारणों से रखे जाते हैं। समय के साथ ग्राहक अक्सर इन होल्डिंग्स को प्रबंधित करने के भरोसेमंद तरीकों की तलाश करते हैं। जब चांदी की वस्तुएँ बेची या बदली जाती हैं, तो उनके मूल्य को लेकर स्पष्टता महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी तरह स्पष्ट सत्यापन और समय पर भुगतान भी इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक होते हैं।

MMTC-PAMP की सिल्वर बायबैक सेवा इसी आवश्यकता को पूरा करती है। यह ग्राहकों को एक स्पष्ट और भरोसेमंद इन-स्टोर विकल्प प्रदान करती है, जिससे वे पारदर्शी प्रक्रियाओं और समय पर निपटान के माध्यम से आत्मविश्वास के साथ लेनदेन कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, MMTC-PAMP की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएँ।

एमएमटीसी-पैम्प के बारे में

एमएमटीसी-पैम्प इंडिया प्राइवेट लिमिटेड स्विट्ज़रलैंड स्थित बुलियन रिफाइनरी MKS PAMP SA और एमएमटीसी लिमिटेड, जो कि एक मिनीरत्न और भारत सरकार का उपक्रम है, के बीच एक संयुक्त उद्यम है। यह भारत में एकमात्र LBMA-मान्यता प्राप्त गोल्ड और सिल्वर गुड डिलीवरी रिफाइनर है, जो रिफाइनिंग और गुणवत्ता में वैश्विक मानकों को दर्शाता है। कंपनी 999.9+ शुद्धता, पॉजिटिव वेट टॉलरेंस और सुनिश्चित बायबैक के साथ भौतिक सोने और चांदी के सिक्कों और बार की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। स्विस सटीकता के साथ निर्मित, एमएमटीसी-पैम्प के उत्पाद अपनी गुणवत्ता, प्रामाणिकता और विश्वसनीयता के लिए पूरे भारत में उपभोक्ताओं के बीच भरोसेमंद माने जाते हैं। देशभर में इसके 20 से अधिक एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर हैं और ब्रांड लगातार अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है।

घाना का गोल्ड वैल्यू-एडिशन मोड़: गोल्डबॉड–गोल्ड कोस्ट–रैंड रिफाइनरी समझौते के भीतर

घाना के स्वर्ण उद्योग में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ है, जब Ghana Gold Board (GoldBod), Gold Coast Refinery Ltd और उनके रणनीतिक तकनीकी साझेदार Rand Refinery के बीच एक महत्वपूर्ण स्वर्ण परिशोधन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता मुख्य रूप से कच्चे बुलियन के निर्यात-आधारित मॉडल से घरेलू परिशोधन, संस्थागत निगरानी और घाना की अर्थव्यवस्था के भीतर अधिक मूल्य बनाए रखने की दिशा में एक निर्णायक परिवर्तन को दर्शाता है। व्यावसायिक पहलुओं से आगे बढ़ते हुए, यह सोने को एक रणनीतिक रूप से संचालित राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में पुनर्परिभाषित करता है, जिसका प्रभाव खनिकों, व्यापारियों, नियामकों, रिफाइनरियों, केंद्रीय बैंकिंग और वैश्विक बुलियन बाजार में घाना की स्थिति पर पड़ेगा।

डोरे निर्यात से घरेलू मूल्य संवर्धन की ओर

अफ्रीका का सबसे बड़ा स्वर्ण उत्पादक और विश्व के शीर्ष दस उत्पादकों में शामिल घाना लंबे समय से कारीगर और लघु स्तर के खनन (ASM) से प्राप्त डोरे या अर्ध-प्रसंस्कृत सामग्री का निर्यात करता रहा है, जबकि परिशोधन और वास्तविक मूल्य सृजन विदेशों में होता था। यह नया समझौता बड़े पैमाने पर परिशोधन को देश के भीतर स्थापित करके इस स्थिति को बदलने का प्रयास करता है। इससे निर्यात मूल्य में वृद्धि, पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेहतर स्थिति प्राप्त होगी, साथ ही कच्चे डोरे के निर्यात में खो जाने वाली चांदी को भी देश में ही संरक्षित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था घरेलू क्षमता को Rand Refinery की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता के साथ जोड़ती है, जिससे अलग-थलग मूल्य संवर्धन रणनीतियों से जुड़े विश्वसनीयता जोखिम से बचा जा सके।

GoldBod की केंद्रीय भूमिका

GoldBod सोने के संकलन, खरीद की निगरानी, परिशोधन प्रशासन तथा परिशोधित और अपरिशोधित बुलियन के निर्यात का समन्वय करता है। इसके विस्तारित दायित्व का उद्देश्य कारीगर और लघु स्तर के खनन (ASM) को औपचारिक बनाना, तस्करी और कम घोषणा को कम करना, ट्रेसबिलिटी में सुधार करना और जिम्मेदार सोर्सिंग ढांचे के साथ तालमेल स्थापित करना है—जिससे लंबे समय से चली आ रही अनौपचारिक आपूर्ति श्रृंखलाओं और राजस्व हानि की समस्याओं का समाधान हो सके। यह निगरानीयुक्त ढांचा आपूर्ति श्रृंखला मानकों को लागू करता है और खनिकों, निर्यातकों तथा वैश्विक भागीदारों के बीच विश्वास को मजबूत बनाता है।

राष्ट्रीय आधार के रूप में गोल्ड कोस्ट रिफाइनरी

Gold Coast Refinery Ltd घाना के प्रमुख रिफाइनिंग केंद्र के रूप में उभर रही है, जो उन्नत धातुकर्म विशेषज्ञता, संचालन अनुशासन और बुलियन बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए Rand Refinery के साथ साझेदारी कर रही है। इसकी 180 MT प्रति वर्ष क्षमता Aquaregia और इलेक्ट्रोलाइटिक प्रक्रियाओं के माध्यम से 999.9 शुद्धता वाला सोना उत्पादन करती है। XRF, Fire Assay और ICP-OES प्रयोगशालाओं से सुसज्जित यह रिफाइनरी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बुलियन का प्रमाणन करती है, जिससे XRF या जल घनत्व जैसे गैर-मानक परीक्षणों से उत्पन्न पिछले विवादों का समाधान होता है।

रैंड रिफाइनरी का रणनीतिक महत्व

Rand Refinery की संयुक्त उद्यम (JV) भूमिका LBMA मान्यता को तेज़ी से प्राप्त करने, प्रतिष्ठात्मक पूंजी बढ़ाने और काउंटरपार्टी जोखिम को कम करने में मदद करती है, जिससे गुड-डिलीवरी मार्ग और मजबूत होते हैं। यह घाना को एक पैन-अफ्रीकी रिफाइनिंग नेटवर्क में स्थापित करता है, जिससे यूरोप और एशिया पर निर्भरता कम होती है और पड़ोसी देशों की आवश्यकताओं को एकीकृत तरीके से पूरा किया जा सकता है।

खनिकों और ASM के लिए प्रभाव

बड़े पैमाने के खनिकों को लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, तेज़ भुगतान निपटान और परिष्कृत उत्पादन के बेहतर समन्वय का लाभ मिलेगा। कारीगर और लघु स्तर के खनन (ASM) के लिए औपचारिक चैनल मूल्य पारदर्शिता, मध्यस्थों द्वारा होने वाले शोषण में कमी और आय की स्थिरता प्रदान कर सकते हैं—यदि उचित मूल्य निर्धारण, समय पर भुगतान और विश्वसनीयता के माध्यम से विश्वास स्थापित किया जाए।

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक लाभ

घरेलू परिशोधन से विदेशी मुद्रा अर्जन में वृद्धि, व्यापार आंकड़ों की विश्वसनीयता, भंडार संचय और अस्थिरता के समय नीति निर्माण में अधिक लचीलापन प्राप्त होता है। इससे सोना राष्ट्रीय आर्थिक योजना में निर्यात और आरक्षित संपत्ति दोनों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यान्वयन से जुड़े जोखिम

मुख्य चुनौतियों में निरंतर कच्चे माल की आपूर्ति, आवश्यक उपभोग्य सामग्री, बिजली, कुशल जनशक्ति, खनिकों का विश्वास और नियामकीय दक्षता शामिल हैं। नौकरशाही देरी या पारदर्शिता की कमी संभावित लाभों को कमजोर कर सकती है; अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सख्त अनुपालन और नियमित ऑडिट आवश्यक होंगे।

एक संरचनात्मक बदलाव

अभी अंतिम रूप लिए जाने की प्रक्रिया में यह समझौता संकेत देता है कि घाना केवल स्वर्ण उत्पादक से आगे बढ़कर अफ्रीका में रिफाइनिंग और प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यदि इसे लगातार और प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह संसाधन-समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसा मॉडल बन सकता है जो राष्ट्रीय स्तर पर मूल्य संवर्धन और वैश्विक एकीकरण के बीच संतुलन स्थापित करता है।

■■■

मित्सुबिशी मटेरियल्सः सिल्वर इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट टेक्नोलॉजी की रीढ़ का इंजीनियरिंग

MITSUBISHI MATERIALS TRADING CORPORATION

वैश्विक सिल्वर इकोसिस्टम में एक विशिष्ट और रणनीतिक स्थान रखती है। उन कंपनियों के विपरीत जिन्होंने औद्योगिक सिल्वर अनुप्रयोगों में बाद में विविधीकरण के रूप में प्रवेश किया, Mitsubishi Materials का इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय सीधे जापान के प्रारंभिक औद्योगीकरण से जुड़ा हुआ है। खनन और नॉन-फेरस धातुओं से लेकर प्रिसिशन सिल्वर इंजीनियरिंग तक इसकी विकास यात्रा, स्वयं सिल्वर के परिवर्तन को दर्शाती है–एक बहुमूल्य धातु से लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण औद्योगिक सामग्री बनने तक।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में Mitsubishi Group की खनन और स्मेल्टिंग गतिविधियों के हिस्से के रूप में शुरू हुई इस कंपनी ने सिल्वर रिफाइनिंग, मिश्रधातु नियंत्रण और धातुकर्म सटीकता में गहरी विशेषज्ञता विकसित की। ये मूलभूत क्षमताएँ बाद में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुईं जब जापान में बिजली का विस्तार हुआ और विश्वसनीय स्विचिंग, सुरक्षा तथा नियंत्रण प्रणालियों की मांग तेजी से बढ़ी। आज Mitsubishi Materials दुनिया के सबसे स्थापित और तकनीकी रूप से उन्नत निर्माताओं में से एक है, जो सिल्वर-आधारित इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट सामग्री बनाती है और ऐसे घटकों की आपूर्ति करती है जो वैश्विक पावर सिस्टम, औद्योगिक ऑटोमेशन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिफिकेशन और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स की आधारशिला हैं।

खनन विरासत से फंक्शनल मटेरियल्स इंजीनियरिंग तक

Mitsubishi Materials Corporation का इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय किसी एक रणनीतिक बदलाव से उत्पन्न नहीं हुआ। इसके बजाय, यह औद्योगिक आवश्यकताओं के बदलने के साथ धीरे-धीरे विकसित हुआ। बीसवीं सदी के प्रारंभिक विद्युतिकरण काल में स्विच, रिले और सर्किट ब्रेकर कारखानों, रेल नेटवर्क और पावर सिस्टम के लिए अनिवार्य बन गए। उस समय सिल्वर अपनी उत्कृष्ट विद्युत चालकता और आर्क प्रतिरोध के कारण पसंदीदा कॉन्टैक्ट मटेरियल के रूप में उभरा।

हालाँकि, शुद्ध सिल्वर में कुछ प्रदर्शन संबंधी सीमाएँ थीं, जैसे घिसाव, क्षरण और बार-बार स्विचिंग के दौरान वेल्डिंग की समस्या। इन चुनौतियों का समाधान केवल सिल्वर की उपलब्धता से संभव नहीं था; इसके लिए उन्नत मिश्रधातु तकनीक, पाउडर मेटलर्जी और सटीक प्रक्रिया नियंत्रण की आवश्यकता थी। Mitsubishi Materials ने इन चुनौतियों का समाधान करते हुए केवल धातु आपूर्तिकर्ता की भूमिका से आगे बढ़कर फंक्शनल मटेरियल्स इंजीनियर के रूप में स्वयं को विकसित किया। कंपनी ने सिल्वर मिश्रधातु और कॉम्पोज़िट सिस्टम विकसित किए जो टिकाऊपन, सुरक्षा और बार-बार स्विचिंग के दौरान स्थिर प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं। इसने औद्योगिक वैल्यू चेन में कंपनी की भूमिका को मूल रूप से बदल दिया।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पुनर्निर्माण और तेज़ औद्योगिक विस्तार ने इस परिवर्तन को और गति दी। जैसे-जैसे जापान ने बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण और विद्युतिकरण किया, इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स कंपनी के मुख्य व्यवसाय खंड के रूप में स्थापित हो गए। समय के साथ Mitsubishi Materials की क्षमताएँ घरेलू बाजारों से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक विस्तारित हुईं, विशेष रूप से जापानी इलेक्ट्रिकल और ऑटोमोटिव OEM कंपनियों के वैश्वीकरण के साथ।

निर्माता प्रोफ़ाइल और विरासत

एक सदी से अधिक की धातुकर्म और मटेरियल्स इंजीनियरिंग विशेषज्ञता के साथ, Mitsubishi Materials ऐसी विरासत का लाभ उठाती है जिसे बहुत कम प्रतिस्पर्धी दोहरा सकते हैं। व्यापक Mitsubishi Group इकोसिस्टम के भीतर कंपनी ने नॉन-फेरस धातुओं, कीमती धातुओं और उन्नत मटेरियल साइंस की अपनी समझ को लगातार परिष्कृत किया है।

यह विरासत Mitsubishi Materials Corporation की सिल्वर इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स के क्षेत्र में लंबे समय से बनी नेतृत्वकारी स्थिति की आधारशिला है—एक ऐसा क्षेत्र जहाँ प्रदर्शन की स्थिरता, विश्वसनीयता और भरोसा अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। साधारण कमोडिटी सिल्वर अनुप्रयोगों के विपरीत, इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स के लिए सटीक धातुकर्म, गहन अनुप्रयोग ज्ञान और ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक एकीकरण की आवश्यकता होती है। Mitsubishi Materials ने इन तीनों क्षेत्रों में मजबूत और टिकाऊ प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त विकसित की है, जिससे नए खिलाड़ियों के लिए इस क्षेत्र में प्रवेश करना अत्यंत कठिन हो जाता है।

कोर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो

का सिल्वर इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट पोर्टफोलियो इंजीनियर्ड सॉल्यूशन्स की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करता है, जिनमें शामिल हैं:

- Silver–Tin Oxide ($AgSnO_2$) कॉन्टैक्ट्स
- Silver–Copper (AgCu) और उन्नत सिल्वर एलॉय सिस्टम
- पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप कैडमियम-मुक्त कॉन्टैक्ट मटेरियल्स
- मल्टी-लेयर और कॉम्पोजिट कॉन्टैक्ट सॉल्यूशन्स

ये मटेरियल्स OEM इंटीग्रेशन के लिए अनुकूलित कई इंजीनियर्ड रूपों में सप्लाई किए जाते हैं, जैसे:

- कॉन्टैक्ट टिप्स और रिवेट्स
- स्ट्रिप्स और प्रोफाइल्स
- डायरेक्ट असेंबली के लिए सेमी-फिनिश्ड कंपोनेंट्स

मानकीकृत मटेरियल्स की पेशकश करने के बजाय, Mitsubishi Materials Corporation एप्लिकेशन-विशिष्ट सिल्वर फॉर्मुलेशन्स पर ध्यान देता है, जिन्हें करंट लोड, स्विचिंग फ्रीक्वेंसी, आर्क एनर्जी और पर्यावरणीय आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जाता है। यह कस्टमाइज़ेशन क्षमता इसे Tier-1 सप्लायर के रूप में स्थापित करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है।

मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज़ एवं प्रोसेस नॉ-हाउ

की विशिष्टता उन्नत मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज़ और कठोर प्रोसेस कंट्रोल पर आधारित है। प्रमुख क्षमताओं में शामिल हैं:

- पाउडर मेटलर्जी और उन्नत सिंटरिंग तकनीकें
- टिन ऑक्साइड फेज़ का नियंत्रित ऑक्सीकरण और डिस्पर्शन
- उच्च-सटीकता रोलिंग, एक्सट्रूज़न और बॉन्डिंग तकनीकें
- ग्रेन स्ट्रक्चर, डेंसिटी और सतह संरचना पर सख्त नियंत्रण

ये प्रक्रियाएँ सिल्वर कॉन्टैक्ट्स को उच्च करंट, उच्च आर्क एनर्जी और बार-बार होने वाले स्विचिंग साइकिल्स जैसी परिस्थितियों में भी लगातार प्रदर्शन करने में सक्षम बनाती हैं—ऐसी स्थितियाँ जहाँ विफलता स्वीकार्य नहीं होती। Mitsubishi Materials Corporation का धातुकर्मीय सटीकता पर जोर बड़े उत्पादन वॉल्यूम में भी समानता (repeatability) सुनिश्चित करता है, जो वैश्विक OEM ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

इंटीग्रेशन क्षमता एवं डिज़ाइन-इन रणनीति

मटेरियल सप्लाई से आगे बढ़कर, Mitsubishi Materials Corporation अपने सिल्वर कॉन्टैक्ट सॉल्यूशन्स को ग्राहक प्रणालियों में गहराई से इंटीग्रेट करने में समर्थन देता है। इसके उत्पाद निम्नलिखित में सहज रूप से इंटीग्रेट होने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं:

- सर्किट ब्रेकर
- रिले और कॉन्टैक्टर्स
- स्विचगियर और प्रोटेक्शन डिवाइस
- ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर

यह डिज़ाइन-इन क्षमता Mitsubishi Materials Corporation को ग्राहक के उत्पाद विकास चक्र के शुरुआती चरण में ही शामिल होने की अनुमति देती है। एक बार जब किसी सुरक्षा-सम्बंधित अनुप्रयोग के लिए सिल्वर कॉन्टैक्ट सिस्टम को योग्य (qualified) कर दिया जाता है, तो सप्लायर बदलना महंगा और जोखिमपूर्ण हो जाता है। परिणामस्वरूप, दीर्घकालिक संबंध और स्थिर मांग प्रोफ़ाइल मजबूत होती हैं।

एप्लिकेशन फोकस एवं एंड-यूज़ रणनीति

के सिल्वर इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स कई एंड-यूज़ सेक्टर्स में उपयोग किए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- पावर डिस्ट्रीब्यूशन और ट्रांसमिशन उपकरण
- इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और रोबोटिक्स
- ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिफिकेशन, जिसमें EV सबसिस्टम्स शामिल हैं
- रिन्यूएबल एनर्जी बैलेंस-ऑफ-सिस्टम कंपोनेंट्स

जैसे-जैसे वैश्विक इलेक्ट्रिफिकेशन तेज़ हो रहा है, ये एप्लिकेशन सिल्वर की संरचनात्मक रूप से मजबूत मांग को लगातार समर्थन देते रहते हैं। विद्युत कॉन्टैक्ट्स हर उस जगह आवश्यक बने रहते हैं जहाँ बिजली को विश्वसनीय रूप से स्विच, संरक्षित या नियंत्रित करना होता है।

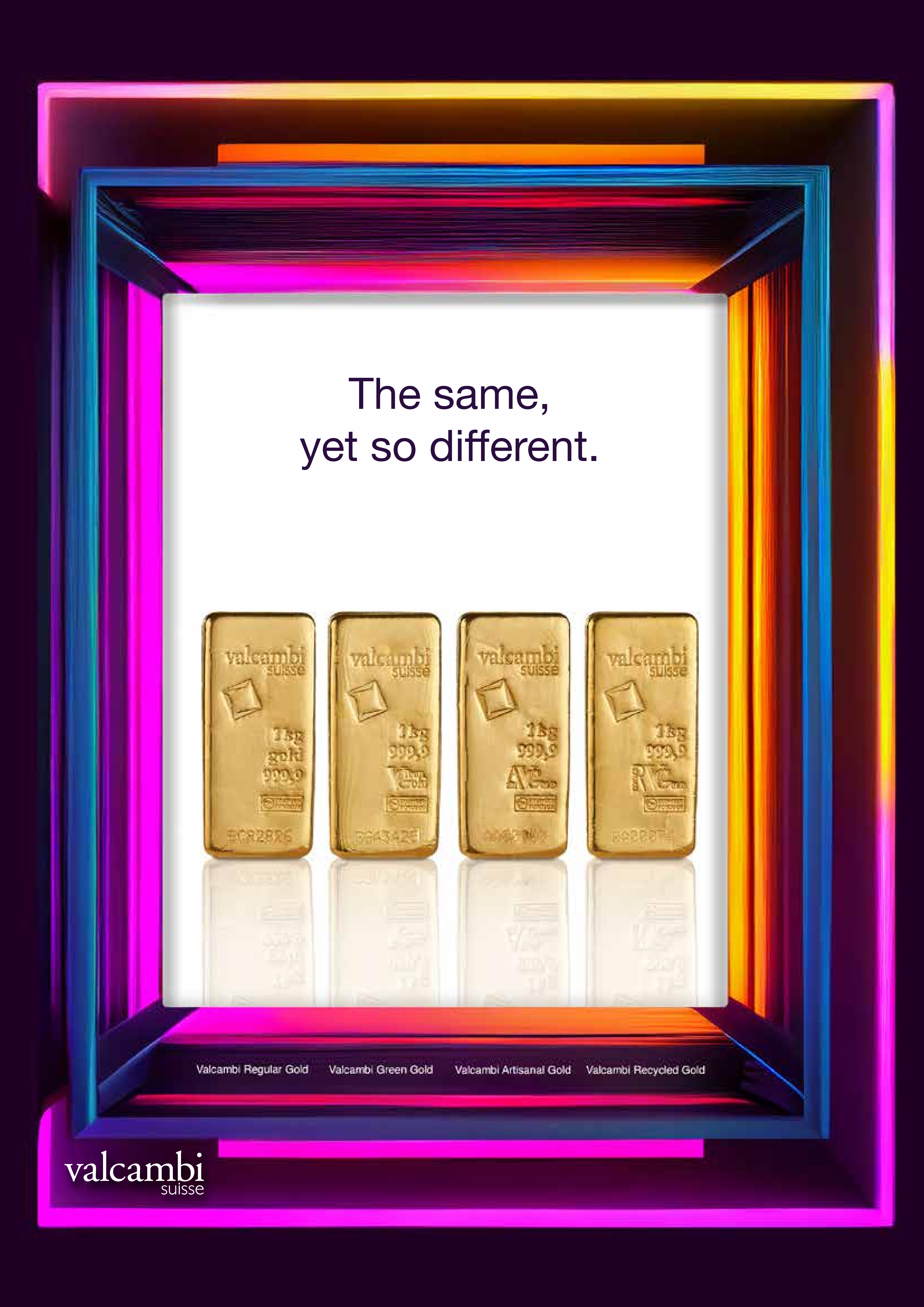
The same,
yet so different.
Valcambi Regular Gold
Valcambi Green Gold
Valcambi Artisanal Gold
Valcambi Recycled Gold
valcambi
suisse

वैश्विक विनिर्माण उपस्थिति और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन
कंपनी एक वैश्विक रूप से विविधीकृत विनिर्माण और तकनीकी नेटवर्क संचालित करती है, जिसमें मुख्य उत्पादन और अनुसंधान एवं विकास जापान में केंद्रित हैं, और एशिया, यूरोप तथा अमेरिका में स्थित सुविधाओं द्वारा समर्थित हैं। यह वितरित मॉडल आपूर्ति श्रृंखला की लचीलापन, ग्राहकों के निकटता और क्षेत्रीय जोखिम विविधीकरण को मजबूत बनाता है।

हालांकि सिल्वर कॉन्टैक्ट निर्माण क्षमता के सटीक आंकड़े व्यावसायिक रूप से संवेदनशील माने जाते हैं, फिर भी मित्सुबिशी मटेरियल्स को मात्रा और तकनीकी क्षमता दोनों के आधार पर व्यापक रूप से एक टियर-1 वैश्विक आपूर्तिकर्ता माना जाता है। विभिन्न क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय OEM कंपनियों को समान गुणवत्ता के साथ समर्थन देने की इसकी क्षमता एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी लाभ बन गई है।

सस्टेनेबिलिटी, अनुपालन और परिपत्र अर्थव्यवस्था
इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स पर बढ़ती नियामकीय और ESG जांच का प्रभाव पड़ रहा है, विशेष रूप से खतरनाक पदार्थों के संदर्भ में। एक महत्वपूर्ण मोड़ 1990 के दशक में आया, जब कैडमियम पर वैश्विक प्रतिबंधों ने उद्योग को नया रूप दिया। मित्सुबिशी मटेरियल्स कैडमियम-रहित सिल्वर कॉन्टैक्ट तकनीकों में एक अग्रणी के रूप में उभरी, विशेष रूप से $AgSnO_2$ प्रणालियों में, जिनका प्रदर्शन पारंपरिक प्रणालियों के बराबर या उनसे बेहतर रहा।

अनुपालन से आगे बढ़कर, कंपनी अपनी व्यापक प्रेशियस-मेटल रीसाइक्लिंग विशेषज्ञता का उपयोग निम्नलिखित के समर्थन के लिए करती है:
- औद्योगिक स्क्रैप से सिल्वर की पुनर्प्राप्ति और पुनः उपयोग
- क्लोज्ड-लूप मटेरियल फ्लो
- जीवनचक्र के दौरान पर्यावरणीय प्रभाव में कमी
- ये सर्कुलर-इकोनॉमी क्षमताएँ दीर्घकालिक कच्चे माल के जोखिमों को कम करने में मदद करती हैं और इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय को विकसित होती सस्टेनेबिलिटी अपेक्षाओं के साथ संरेखित करती हैं।

प्रतिस्पर्धात्मक भिन्नता
मित्सुबिशी मटेरियल्स निम्नलिखित के माध्यम से स्वयं को अलग पहचान देती है:
- गहरी धातुकर्म और मटेरियल साइंस विशेषज्ञता
- एकीकृत प्रेशियस-मेटल प्रोसेसिंग क्षमताएँ
- मजबूत बौद्धिक संपदा और स्वामित्व वाली फॉर्मुलेशन
- दीर्घकालिक OEM संबंध
- सिद्ध वैश्विक विनिर्माण विश्वसनीयता

साथ मिलकर, ये सभी कारक प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण बाधाएँ उत्पन्न करते हैं और कंपनी की नेतृत्व स्थिति को और मजबूत बनाते हैं।

सिल्वर बाज़ार के लिए मित्सुबिशी मटेरियल्स का महत्व
सिल्वर इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स सिल्वर के सबसे तकनीकी रूप से स्थापित और प्रदर्शन के लिहाज़ से अत्यंत महत्वपूर्ण उपयोगों में से एक बने हुए हैं। जैसे-जैसे इलेक्ट्रिफिकेशन वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया रूप दे रहा है, मित्सुबिशी मटेरियल्स यह दर्शाती है कि औद्योगिक सिल्वर की मांग आसान प्रतिस्थापन के बजाय इंजीनियरिंग आवश्यकता से संचालित होती है।

Source: https://www.mmtc.co.jp/en/products/cases/detail-002.html

JM Johnson Matthey

बड़े पैमाने पर प्रक्रिया की अखंडता: जॉनसन मैथे और सिल्वर ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं का औद्योगिक विज्ञान

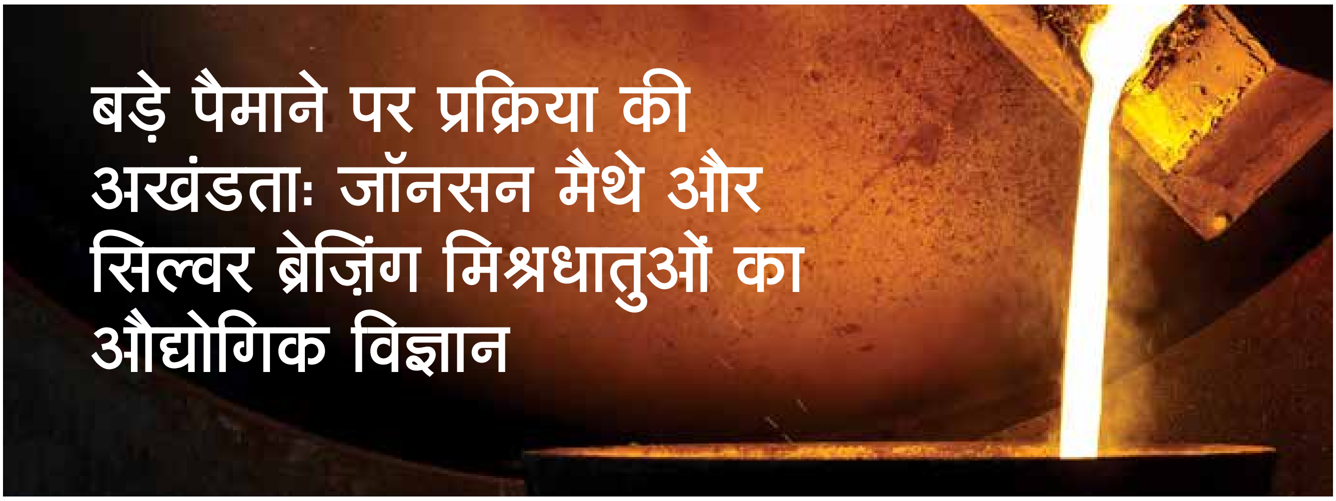

वैश्विक सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय बाज़ार में प्रदर्शन केवल सीमांत स्तर पर शुद्धता से परिभाषित नहीं होता। यह बड़े पैमाने पर दोहराव (repeatability) से निर्धारित होता है—यानी एक ब्रेज़्ड जॉइंट की वह क्षमता कि वह हजारों उत्पादन चक्रों, कई फैक्ट्रियों और अस्थिर कच्चे माल के वातावरण में समान रूप से प्रदर्शन कर सके। कई औद्योगिक निर्माताओं के लिए विश्वसनीयता प्रयोगशाला की परिपूर्णता से नहीं, बल्कि विचलन की अनुपस्थिति से मापी जाती है।

इसी मांगपूर्ण औद्योगिक संदर्भ में Johnson Matthey ने सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय क्षेत्र में अपनी स्थिति स्थापित की है। कंपनी न तो एक सीमित, अत्यधिक उच्च-शुद्धता विशेषज्ञ के रूप में कार्य करती है, और न ही एक बड़े पैमाने की कमोडिटी आपूर्तिकर्ता के रूप में। इसके बजाय, Johnson Matthey एक तकनीक-आधारित, औद्योगिक-स्तर के प्रदाता के रूप में एक विशिष्ट स्थान रखती है, जो ऐसे सिल्वर ब्रेज़िंग सिस्टम्स प्रदान करती है जिन्हें ग्राहक की विनिर्माण प्रक्रियाओं में सहज रूप से एकीकृत किया जा सके, साथ ही वे आधुनिक नियामकीय, सुरक्षा और लागत आवश्यकताओं को भी पूरा करें।

इतिहास और विकास: प्रेशियस मेटल्स से इंडस्ट्रियल जॉइनिंग तक

Johnson Matthey की स्थापना 1817 में लंदन में एक प्रेशियस-मेटल असेयर और रिफाइनर के रूप में हुई थी, जो प्रारंभिक औद्योगिक अर्थव्यवस्था की सेवा करता था। अगले दो शताब्दियों में, कंपनी वैश्विक विनिर्माण के साथ विकसित होती गई और बुलियन तथा रिफाइनिंग से आगे बढ़कर अनुप्रयुक्त प्रेशियस-मेटल तकनीकों—जैसे कैटेलिस्ट, केमिकल्स और जॉइनिंग मटेरियल्स—में विस्तार किया।

सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय इस विकास का एक स्वाभाविक विस्तार बनकर उभरे। जैसे-जैसे टूलिंग, HVAC, इलेक्ट्रिकल उपकरण और इंजीनियर्ड असेंबलीज़ में बड़े पैमाने पर विनिर्माण का विस्तार हुआ, वैसे-वैसे ऐसे सिल्वर-आधारित जॉइनिंग मटेरियल्स की मांग बढ़ी जो बड़े स्तर पर लगातार प्रदर्शन प्रदान करने में सक्षम हों।

Johnson Matthey का सिल्वर ब्रेज़िंग पोर्टफोलियो इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए विकसित किया गया—जिसका फोकस धातुकर्मीय विश्वसनीयता, नियंत्रित प्रोसेसिंग व्यवहार और औद्योगिक उत्पादन वातावरण के साथ अनुकूलता पर है।

यह ऐतिहासिक विकासक्रम आज भी Johnson Matthey के दृष्टिकोण को आकार देता है: सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय को उपभोज्य (consumables) के रूप में नहीं, बल्कि विनिर्माण प्रणालियों में अंतर्निहित प्रक्रिया-निर्णायक (process-critical) मटेरियल्स के रूप में देखा जाता है।

सिल्वर ब्रेज़िंग एक सिस्टम के रूप में, न कि केवल एक कमोडिटी

Johnson Matthey की सिल्वर ब्रेज़िंग दर्शन प्रणाली-एकीकरण (system integration) पर आधारित है। एलॉय केमिस्ट्री, मेल्टिंग रेंज, फ्लो व्यवहार, फ्लक्स संगतता और प्रोडक्ट फॉर्म को एक साथ विकसित किया जाता है, ताकि विभिन्न सब्सट्रेट्स और हीटिंग विधियों में पूर्वानुमेय परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें।

यह पोर्टफोलियो तीन प्रमुख सिल्वर ब्रेज़िंग स्तंभों के आधार पर संरचित है:

- **SILVER-FLO™ सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय**
  उच्च-सिल्वर और मध्यम-सिल्वर संरचनाओं को कवर करते हुए, SILVER-FLO™ अलॉय नियंत्रित मेल्टिंग, विश्वसनीय वेटिंग और स्थिर जॉइंट स्ट्रेंथ के लिए इंजीनियर किए गए हैं। इस रेंज की एक प्रमुख विशेषता कैडमियम-फ्री फॉर्मुलेशन्स पर जोर है, जो आधुनिक कार्यस्थल सुरक्षा और पर्यावरणीय नियमों का समर्थन करते हैं, बिना प्रदर्शन से समझौता किए।

- **Argo-braze™ इंजीनियर्ड सिल्वर अलॉय**
  यांत्रिक रूप से अधिक मांग वाले जॉइंट्स–विशेष रूप से टंगस्टन-कार्बाइड-से-स्टील–के लिए विकसित, Argo-braze™ अलॉय तनाव अवशोषण, प्रभाव प्रतिरोध और टूलिंग तथा वियर-पार्ट अनुप्रयोगों में दीर्घकालिक टिकाऊपन पर केंद्रित हैं।
- **EASY-FLO™ / MATTIFLUX™ फ्लक्स सिस्टम्स**
  फ्लक्स केमिस्ट्री को जॉइंट प्रदर्शन का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। JM के फ्लक्स इस प्रकार तैयार किए गए हैं कि वे कॉपर अलॉय, स्टील, स्टेनलेस स्टील, एल्युमिनियम ब्रॉन्ज और फ्री-मशीनिंग ब्रास में लगातार ऑक्साइड हटाने और वेटिंग सुनिश्चित करें।

इन सभी तत्वों को मिलाकर एक सह-इंजीनियर्ड सिल्वर ब्रेज़िंग सिस्टम बनता है, न कि केवल अलग-अलग मटेरियल्स का संग्रह।

मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज़ और प्रोसेस कंट्रोल

Johnson Matthey के सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय नियंत्रित मेल्टिंग और एलॉयिंग प्रक्रियाओं का उपयोग करके बनाए जाते हैं, जिन्हें औद्योगिक स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अनुकूलित किया गया है। फोकस अत्यधिक वैक्यूम मेटलर्जी पर नहीं, बल्कि उच्च दोहराव (repeatability) वाले उत्पादन वातावरण में सख्त धातुकर्मीय अनुशासन पर होता है।

मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

- पूर्वानुमेय फ्लो सुनिश्चित करने के लिए संकीर्ण मेल्टिंग-रेंज नियंत्रण
- जॉइंट में परिवर्तनशीलता को कम करने के लिए सख्त संरचना (composition) टॉलरेंस
- विभिन्न प्रोडक्ट फॉर्म और एप्लिकेशन विधियों के लिए अनुकूलित प्रोसेस रूट्स
- लंबे उत्पादन चक्रों में बैच-टू-बैच दोहराव (repeatability)

विनिर्माण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त ब्रेज़िंग मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे ISO, EN, AWS, AMS तथा ग्राहक-विशिष्ट विनिर्देशों के तहत योग्यता प्राप्त करना संभव होता है, जो औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में आमतौर पर आवश्यक होते हैं। यह मानक-आधारित अनुशासन उन ग्राहकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो विनियमित या उच्च-जिम्मेदारी वाले वातावरण में कार्य करते हैं।

प्रोडक्ट फॉर्म्स और इंटीग्रेशन क्षमता

Johnson Matthey के सिल्वर ब्रेज़िंग पोर्टफोलियो में एक प्रमुख अंतर इसकी एप्लिकेशन-रेडी प्रोडक्ट फॉर्म्स की व्यापकता है, जो ग्राहकों को एलॉय को सीधे अपनी विनिर्माण प्रक्रिया में डिज़ाइन करने में सक्षम बनाती है।

उपलब्ध फॉर्मेट्स में शामिल हैं:

- मैनुअल या ऑटोमेटेड फीडिंग के लिए रॉड्स और वायर
- संचालन को सरल बनाने के लिए फ्लक्स-कोटेड रॉड्स
- नियंत्रित एलॉय वॉल्यूम प्लेसमेंट के लिए फॉइल्स, स्ट्रिप और शीट
- इंजीनियर्ड प्रीफॉर्म्स (रिंग्स, वॉशर्स, कस्टम शेप्स)
- ऑटोमेटेड और उच्च दोहराव (repeatability) वाली लाइनों के लिए ब्रेज़िंग पेस्ट्स और पेंट्स

एलॉय केमिस्ट्री के साथ-साथ जॉइंट तक एलॉय की डिलीवरी को नियंत्रित करके, Johnson Matthey ग्राहकों को स्क्रैप कम करने, यील्ड को स्थिर करने और साइकिल-टाइम की स्थिरता में सुधार करने में मदद करता है–जो लागत-संवेदनशील, उच्च-वॉल्यूम उत्पादन में महत्वपूर्ण लाभ हैं।

एप्लिकेशन-ड्रिवन जॉइनिंग नॉ-हाउ

Johnson Matthey की सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय में ताकत अनुप्रयुक्त जॉइनिंग साइंस में निहित है। इसका तकनीकी मार्गदर्शन व्यावहारिक औद्योगिक चुनौतियों को संबोधित करता है, जिनमें शामिल हैं:

- लेडेड ब्रास में वॉयडिंग और असंगत वेटिंग
- एल्युमिनियम-ब्रॉन्ज-से-स्टील असेंबली में भंगुर जॉइंट का जोखिम
- कार्बाइड टूलिंग में तनाव प्रबंधन
- मिश्रित धातु जॉइंट्स के लिए एलॉय-फ्लक्स संयोजनों का अनुकूलन

यह एप्लिकेशन-स्तरीय विशेषज्ञता Johnson Matthey को एक डिज़ाइन-इन पार्टनर के रूप में स्थापित करती है, जो केवल लेन-देन आधारित मटेरियल सप्लायर होने के बजाय प्रारंभिक विकास से लेकर सीरियल उत्पादन तक ग्राहकों का समर्थन करता है।

प्रमाणन और गुणवत्ता प्रणाली

Johnson Matthey के सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय मजबूत गुणवत्ता और अनुपालन ढाँचों के अंतर्गत निर्मित किए जाते हैं, जिन्हें औद्योगिक और विनियमित वातावरण के लिए डिज़ाइन किया गया है। संबंधित प्रणालियों में शामिल हैं:

- ISO 9001 – गुणवत्ता प्रबंधन
- ISO 14001 – पर्यावरण प्रबंधन (साइट-विशिष्ट)
- ISO 45001 – व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (साइट-विशिष्ट)

उत्पादों की आपूर्ति मान्यता प्राप्त सिल्वर ब्रेज़िंग मानकों (ISO, EN, AWS, AMS) के अनुरूप की जाती है, जिससे ट्रेसबिलिटी, डॉक्यूमेंटेशन अनुशासन और नियंत्रित परिवर्तन प्रबंधन सुनिश्चित होता है—जो उन परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय हैं जहाँ पुन:-योग्यता (requalification) की लागत अधिक होती है।

एंड-यूज़ फोकस

Johnson Matthey के सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय व्यापक रूप से उच्च-वॉल्यूम और उच्च-जिम्मेदारी वाले औद्योगिक अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- टूलिंग और वियर-रेज़िस्टेंट कंपोनेंट्स
- HVAC और रेफ्रिजरेशन असेंबलीज़
- इलेक्ट्रिकल और पावर-डिस्ट्रीब्यूशन उपकरण
- सामान्य इंजीनियर्ड और फैब्रिकेटेड उत्पाद

फोकस उन क्षेत्रों पर होता है जहाँ जॉइंट की स्थिरता (integrity) और नियामकीय अनुपालन सप्लायर चयन में निर्णायक कारक होते हैं।

सिल्वर इकॉनॉमिक्स और कच्चे माल का जोखिम

सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय में प्रमुख लागत कारक बना रहता है। Johnson Matthey इसे कुल-लागत-स्वामित्व (total cost-of-ownership) दृष्टिकोण के माध्यम से संबोधित करता है, जिसमें शामिल हैं:

- सिल्वर कंटेंट और प्रदर्शन के संतुलन के लिए एलॉय ऑप्टिमाइज़ेशन
- ऐसे प्रोडक्ट फॉर्म्स जो मेटल लॉस को कम करते हैं
- प्रेशियस-मेटल प्राइसिंग मैकेनिज़्म से जुड़े वाणिज्यिक ढाँचे

धातुकर्म और धातु-कीमत अनुशासन का यह एकीकरण ग्राहकों को विश्वसनीयता से समझौता किए बिना अस्थिरता का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है।

सस्टेनेबिलिटी और अनुपालन

Johnson Matthey अपने सिल्वर ब्रेज़िंग पोर्टफोलियो में निम्नलिखित पर विशेष जोर देता है:

- व्यापक कैडमियम-फ्री एलॉय ऑफरिंग्स
- RoHS और REACH के साथ अनुपालन
- प्रति जॉइंट प्रभावी सिल्वर खपत को कम करने के लिए कुशल एलॉय उपयोग

दीर्घायु, यील्ड ऑप्टिमाइज़ेशन और जिम्मेदार मटेरियल उपयोग औद्योगिक सिल्वर ब्रेज़िंग में सस्टेनेबिलिटी के मुख्य आधार हैं।

वैश्विक उपस्थिति और आपूर्ति निरंतरता

Johnson Matthey अपने सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय ग्राहकों को एक वैश्विक रूप से वितरित विनिर्माण और वाणिज्यिक नेटवर्क के माध्यम से समर्थन प्रदान करता है, जिसमें शामिल हैं:

- यूनाइटेड किंगडम में मेटल-जॉइनिंग ऑपरेशंस और तकनीकी विशेषज्ञता
- महाराष्ट्र के तलोजा में Johnson Matthey Chemicals India Pvt. Ltd. के माध्यम से स्थापित भारतीय उपस्थिति
- यूरोप, एशिया और अमेरिका में क्षेत्रीय तकनीकी और वाणिज्यिक समर्थन

यह नेटवर्क दीर्घ-चक्र वाले औद्योगिक कार्यक्रमों के लिए आपूर्ति श्रृंखला की लचीलापन सुनिश्चित करता है।

प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति

Johnson Matthey सिल्वर ब्रेज़िंग अलॉय क्षेत्र में निम्नलिखित के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाता है:

- एलॉय, फ्लक्स और फॉर्म का सिस्टम-स्तरीय एकीकरण
- विशेष (niche) मेटलर्जी के बजाय औद्योगिक स्तर की दोहराव क्षमता (repeatability)
- कैडमियम-फ्री सिल्वर ब्रेज़िंग सॉल्यूशन्स में नेतृत्व
- मजबूत एप्लिकेशन इंजीनियरिंग और डिज़ाइन-इन समर्थन
- प्रेशियस मेटल्स में गहरी विशेषज्ञता, जो प्राइसिंग और सप्लाई स्थिरता को आधार प्रदान करती है

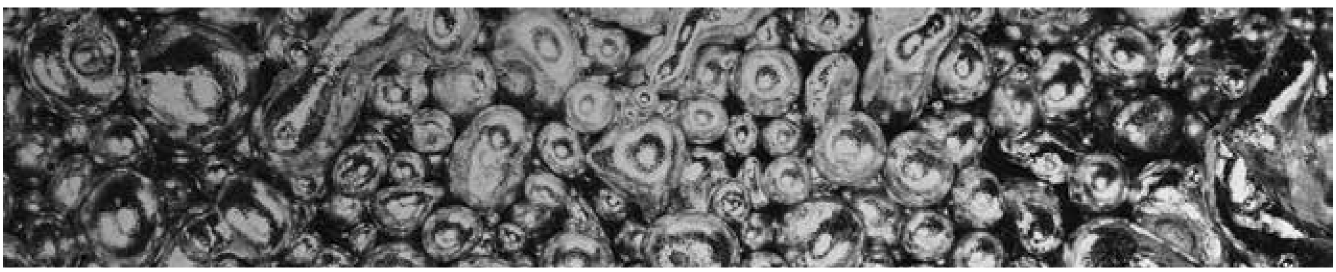

सिल्वर में बदलावः आपूर्ति घाटा, औद्योगिक मांग और एक नया मूल्य परिदृश्य

हाल ही में आयोजित सिल्वर वेबिनार ने बाजार में एक दुर्लभ क्षण को दर्शायाः एक पीढ़ी में एक बार होने वाली मूल्य वृद्धि, जो इस बात में एक संरचनात्मक बदलाव से टकरा रही है कि दुनिया सिल्वर का उपयोग और मूल्यांकन कैसे करती है। इस चर्चा ने मौलिक, तकनीकी, औद्योगिक और क्षेत्रीय दृष्टिकोणों को एक साथ लाया, और एक समान निष्कर्ष स्पष्ट थाः सिल्वर अब एक द्वितीयक कीमती धातु से आगे बढ़कर एक रणनीतिक संपत्ति बन चुका है, जो स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और निवेश पोर्टफोलियो के केंद्र में स्थित है।

बदलती दुनिया में सिल्वर की नई भूमिका

वक्ताओं ने सहमति जताई कि 2025–26 में सिल्वर की कीमतों में तेज़ उछाल कोई आकस्मिक घटना नहीं है, बल्कि यह कई संरचनात्मक और सामरिक कारकों के एक साथ प्रभाव का परिणाम है। भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति शृंखला की कमजोरियाँ और कई वर्षों से चल रहे आपूर्ति घाटे, केंद्रीय बैंकों की सहज मौद्रिक नीतियों और मजबूत सोने की कीमतों के साथ मिलकर सिल्वर को सेफ-हेवन और विविधीकरण निवेश के केंद्र में ले आए हैं। साथ ही, धातु के औद्योगिक महत्व में भी तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सिल्वर ग्रीन और डिजिटल ट्रांज़िशन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है–विशेष रूप से सोलर, EVs, डेटा सेंटर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में।

मौलिक कारकः घाटा, उद्योग और नीतिगत झटके

मौलिक दृष्टिकोण से, सिल्वर पिछले पाँच से छह वर्षों से संरचनात्मक घाटे में रहा है, जहाँ वार्षिक कमी लगभग 150–200 मिलियन औंस के आसपास रही है, क्योंकि मांग लगातार खनन और स्क्रैप आपूर्ति से अधिक रही है। औद्योगिक मांग, विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा के नेतृत्व में, सबसे बड़ा अतिरिक्त चालक बनकर उभरी हैः सोलर, EVs, पावर ग्रिड, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्रों ने मिलकर बाजार को और सख्त बना दिया है, जबकि केवल सोलर क्षेत्र ही अब लगभग 4,700–5,000 टन प्रति वर्ष सिल्वर की खपत करता है, जो वैश्विक मांग का लगभग 10–15% है। नीतिगत कारक भी महत्वपूर्ण हैः अमेरिका द्वारा सिल्वर को क्रिटिकल मिनरल्स सूची में शामिल करना और चीन द्वारा निर्यात लाइसेंसिंग में किए गए बदलाव (जिन्हें व्यापक रूप से "निर्यात प्रतिबंध" के रूप में गलत समझा गया) ने कमी की धारणा को और बढ़ाया है और नवंबर 2025 के बाद से कीमतों में तेज़ वृद्धि को प्रोत्साहित किया है।

टेक्निकल परिदृश्यः एक शक्तिशाली लेकिन नाज़ुक रैली

टेक्निकल दृष्टिकोण से, दीर्घकालिक चार्ट्स को एलियट वेव सिद्धांत के आधार पर समझा गया, जिसमें सिल्वर को 2002 में लगभग 4 डॉलर के स्तर पर एक प्रमुख बेस बनाते हुए देखा गया, इसके बाद 2011–12 तक यह लगभग 50 डॉलर तक पहुँचा, और फिर 2020 में लगभग 11.6 डॉलर तक सुधार हुआ–जिसे वेव 2 का अंत माना गया। वर्तमान चक्र में, बाजार को दीर्घकालिक वेव 3 में माना जा रहा है, जिसमें एक माइनर वेव 3 का शीर्ष 94–103 डॉलर के दायरे में कहीं बनने की संभावना है, इसके बाद 66–58 डॉलर के स्तर तक एक सुधारात्मक चरण संभावित है, जो दीर्घकालिक निवेश के लिए नया अवसर प्रदान कर सकता है। यदि यह संरचना बनी रहती है, तो अगले दो से तीन वर्षों में 196–242 डॉलर के दायरे में दीर्घकालिक लक्ष्य सामने आ सकते हैं। हालांकि, यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि निकट अवधि में कीमत लगभग 105 डॉलर के स्तर को पार करने में विफल रहती है, तो एक बड़ा सुधार होने की संभावना अधिक हो जाएगी।

लिक्विडिटी, इन्वेंट्री और निवेशक व्यवहार

एक महत्वपूर्ण विषय यह रहा कि वर्तमान कड़ाई केवल हेडलाइन घाटे की वजह से नहीं, बल्कि लिक्विडिटी और मेटल पोज़िशनिंग से भी जुड़ी हुई है। प्रमुख एक्सचेंजों और वेयरहाउसों में इन्वेंट्री हाल के वर्षों में काफी घट गई है, जहाँ COMEX, LME और शंघाई स्टॉक्स में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है, जबकि वैश्विक सिल्वर का एक बड़ा हिस्सा अब ETPs और ETFs में लॉक हो चुका है और आसानी से उपलब्ध नहीं है। इससे "फ्री" मेटल का उपलब्ध पूल काफी छोटा रह गया है, जो बढ़ती निवेश और औद्योगिक मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। परिणामस्वरूप, प्रमुख हब्स में लिक्विडिटी दबाव बना है और लंदन, न्यूयॉर्क और एशिया के बीच नीतिगत अफवाहों और शिपिंग फ्लो के प्रति बाजार की संवेदनशीलता बढ़ गई है।

औद्योगिक उपयोगकर्ताः मांग बरकरार, नकदी प्रवाह पर दबाव

औद्योगिक प्रतिभागियों ने बताया कि कुछ ही महीनों में कीमतों के दोगुना होने के बावजूद अंतिम उपयोग की मांग अभी तक कमजोर नहीं पड़ी है। EV और डेटा सेंटर से जुड़े अनुप्रयोग लगातार बढ़ रहे हैं, और भारतीय निर्माता, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को सिल्वर कॉन्टैक्ट्स और कंपोनेंट्स की आपूर्ति करते हैं, अब भी स्थिर या बढ़ती हुई मांग (offtake) देख रहे हैं।

वास्तविक दबाव वित्तीय हैः जो इन्वेंट्री पहले बहुत कम कीमतों पर रखी गई थी, अब उसके लिए दो से तीन गुना अधिक वर्किंग कैपिटल की आवश्यकता है, जबकि प्राप्तियां (receivables) अभी भी रैली से पहले के कॉन्ट्रैक्ट मूल्यों को दर्शाती हैं। इससे नकदी प्रवाह पर महत्वपूर्ण दबाव पड़ रहा है और कई औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को लागत को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए रीसाइक्ल्ड सिल्वर पर अधिक निर्भर होना पड़ रहा है।

क्षेत्रीय बाजार और प्रीमियम

क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति काफी विविधतापूर्ण है। भारत में, प्रतिभागियों ने बताया कि Diwali 2025 के आसपास जहाँ भौतिक प्रीमियम कभी-कभी 25,000–30,000 रुपये प्रति किलो तक पहुँच गए थे, वहीं हाल के समय में घरेलू बाजार लगभग 8,000–10,000 रुपये प्रति किलो (लगभग 3%) के डिस्काउंट पर आ गया है, जो एक्सचेंज कीमत के मुकाबले स्थानीय मांग और उपलब्धता के नए संतुलन को दर्शाता है।Dubai में, रिफाइनर्स बड़े बार्स के मजबूत प्रवाह को किलो बार्स में रूपांतरण के लिए देख रहे हैं, जबकि GCC में रिटेल और निवेश मांग मजबूत बनी हुई है। ऐसे समय में, जब खरीदारी की तात्कालिकता अधिक होती है, स्पॉट फिजिकल प्रीमियम आमतौर पर 1–3 डॉलर प्रति औंस के दायरे में रहते हैं। वैश्विक स्तर पर, वॉल्यूम और प्रीमियम शिपमेंट के समय, नीतिगत जोखिमों की धारणा और प्रत्येक केंद्र में पेपर तथा फिजिकल बाजारों के आपसी संबंध के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बने हुए हैं।

स्क्रैप, ज्वेलरी और उपभोक्ता मांग

"अत्यधिक" कीमतों के बावजूद, भारत में अभी तक वह तेज़ स्क्रैप सप्लाई नहीं देखी गई है जिसकी कई लोगों को उम्मीद थी। स्क्रैप फ्लो बढ़ा जरूर है, लेकिन वह उन स्तरों से काफी कम है जो मॉडल्स ने 1.5–3 लाख रुपये प्रति किलो के दायरे में अनुमानित किए थे। घरेलू उपभोक्ता टूटी हुई ज्वेलरी और पुराने सिल्वरवेयर बाजार में ला रहे हैं, लेकिन कई लोग अभी भी आगे और कीमत बढ़ने की उम्मीद में होल्ड करना पसंद कर रहे हैं–खासकर क्योंकि 2025–26 की रैली तेज़ और मनोवैज्ञानिक रूप से समझना कठिन रही है। उपभोक्ता मांग की बात करें तो पारंपरिक सिल्वर आर्टिकल्स और बर्तनों की मांग कुछ नरम पड़ी है, लेकिन सिल्वर ज्वेलरी में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। सोने की ऊँची कीमतों के कारण शादी और फैशन से जुड़े खरीदार अब अधिक डिज़ाइन-उन्मुख सिल्वर ज्वेलरी की ओर झुक रहे हैं, जो कम लागत में सोने जैसा लुक प्रदान करती है।

विभिन्न वक्ताओं का योगदान
विभिन्न वक्ताओं ने अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए, जिन्होंने मिलकर बाजार का एक व्यापक और संतुलित परिप्रेक्ष्य तैयार किया।

डॉ. रेनिशा चैनानी, Augmont Dr Renisha Chainani ने मौलिक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया: बहु-वर्षीय घाटे, सिल्वर की बढ़ती रणनीतिक भूमिका, औद्योगिक मांग का प्रभुत्व (विशेष रूप से सोलर, EVs, डेटा सेंटर), प्रमुख एक्सचेंजों पर इन्वेंट्री में गिरावट, और मौद्रिक सहजता तथा सोने के साथ सेफ-हेवन फ्लो का प्रभाव। उन्होंने अमेरिका और चीन की हालिया नीतिगत पहलों और 2025 के अंत में कीमतों में तेजी में उनकी भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की, और बाद में स्पष्ट किया कि चीन की कार्रवाइयाँ पूर्ण निर्यात प्रतिबंध नहीं, बल्कि लाइसेंसिंग समायोजन थीं।

श्री आदर्श दिवे, Metals Focus
Adarsh Diwe ने लिक्विडिटी और बाजार संरचना पर ध्यान केंद्रित किया, यह समझाते हुए कि संभावित अमेरिकी टैरिफ की चिंताओं के बीच मेटल किस प्रकार US CME वॉल्ट्स में स्थानांतरित हुआ है, कैसे ETF और ETP होल्डिंग्स ने लंदन में बड़ी मात्रा में मेटल को लॉक कर दिया है, और इन परिवर्तनों ने तत्काल फिजिकल ट्रेड के लिए उपलब्ध मेटल के पूल को कैसे सीमित कर दिया है। उन्होंने स्क्रैप डायनेमिक्स, चीनी लाइसेंसिंग नियमों और 2025 के दौरान भारतीय बाजार में प्रीमियम और डिस्काउंट की स्थिति पर भी समूह को अपडेट किया।

श्री राजीव दर्जी, Phillip Capital India Pvt Ltd
Rajeev Darji ने तकनीकी रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें Elliott Wave विश्लेषण का उपयोग करते हुए सिल्वर के दीर्घकालिक बुल मार्केट को समझाया गया, संभावित टॉप्स और करेक्शन की पहचान की गई, तथा पुलबैक के जोखिम और दीर्घकालिक अपसाइड लक्ष्यों के लिए रणनीतिक मूल्य स्तर निर्धारित किए गए।

श्री माइकल डिरेन्ज़ो, Silver Institute
Michael DiRienzo ने अमेरिकी और वैश्विक उद्योग परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया, जिसमें उच्च कीमतों के बावजूद रिटेल बार और कॉइन की मजबूत मांग, अमेरिका में रिफाइनिंग और मिंटिंग क्षमता में बाधाएँ, तथा सोलर क्षेत्र में दीर्घकालिक विश्वसनीयता आवश्यकताओं के कारण सिल्वर को कॉपर जैसे विकल्पों पर प्राथमिकता मिलने की बात कही। उन्होंने PV मैन्युफैक्चरिंग में सिल्वर उपयोग को कम करने के प्रयासों और अमेरिका में स्मेल्टिंग क्षमता में नए निवेश का भी उल्लेख किया, जो फैब्रिकेशन बाधाओं को कम करने में सहायक हो सकता है।

श्री मोहम्मद अयूब, Sam Precious Metals
Mohammed Ayoob ने Dubai से बोलते हुए GCC क्षेत्र के भौतिक बाजार की वास्तविक स्थिति को समझाया, जहाँ दुबई किलो बार्स के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र (conduit) के रूप में कार्य करता है। रिफाइनरियाँ उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं और सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान तथा UAE से निवेश मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जबकि स्थानीय प्रीमियम तत्काल मांग के अनुसार गतिशील रूप से समायोजित हो रहे हैं।

श्री किशोर चोक्सी, Ravindra Heraeus Pvt Ltd
Kishore Choksi ने मैन्युफैक्चरिंग परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया, जिसमें भारत और विदेशों में EV और डेटा सेंटर ग्राहकों से मजबूत सिल्वर मांग की पुष्टि की। साथ ही उन्होंने इन्वेंट्री मूल्यों में अचानक वृद्धि से उत्पन्न वित्तीय दबाव और लागत प्रबंधन के लिए LBMA-मानक रीसाइक्ल्ड सिल्वर के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

श्री राहुल मेहता, Silver Emporium
Rahul Mehta ने ज्वेलरी क्षेत्र से उपभोक्ता और निर्यात रुझानों को उजागर किया: घरेलू स्तर पर आर्टिकल्स और सिल्वरवेयर की मात्रा में कमी, लेकिन सिल्वर ज्वेलरी–विशेष रूप से डेस्टिनेशन वेडिंग्स–में मजबूत वृद्धि। उन्होंने अमेरिका को निर्यात में उच्च टैरिफ के कारण उत्पन्न गंभीर चुनौतियों का भी उल्लेख किया, जहाँ कई तैयार शिपमेंट ऑर्डर और भुगतान के बावजूद अनकलेक्टेड रह गए हैं।

अन्य प्रतिभागियों ने चर्चा को और समृद्ध किया, जिसमें सोलर और डेटा सेंटर में सिल्वर उपयोग के मात्रात्मक आकलन, प्रति मेगावाट और प्रति EV सिल्वर की आवश्यकता के अनुमान, तथा सिल्वर और बेस-मेटल खानों में घटते ग्रेड और नए, लचीले प्राथमिक सिल्वर सप्लाई की कमी पर टिप्पणियाँ शामिल थीं।

■■■

LBMA

LPM LONDON PLATINUM & PALLADIUM MARKET

Join us at the

Global Precious Metals Conference 2026

4 - 6 October 2026
Hilton Sorrento Palace
Sorrento, Italy

conference@lbma.org.uk
www.lbma.org.uk/events

REGISTER NOW

दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट: नया वैश्विक स्वर्ण केंद्र

जिसका उद्घाटन जनवरी 2026 में हुआ, अमीरात की समृद्ध स्वर्ण व्यापार विरासत में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है। Deira में ऐतिहासिक Gold Souk के पास स्थित यह उद्देश्य-निर्मित केंद्र 1,000 से अधिक रिटेलर्स को एकीकृत इकोसिस्टम में समाहित करता है, जिसमें गोल्ड ज्वेलरी, बुलियन ट्रेडिंग, होलसेल, परफ्यूमरी, कॉस्मेटिक्स और लाइफस्टाइल उत्पाद शामिल हैं। Ithra Dubai द्वारा विकसित, इसका उद्देश्य दुबई को प्रेशियस मेटल्स व्यापार के सबसे विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना और अमीरात की दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि को मजबूत करना है।

मुख्य विशेषताएँ और रिटेलर्स

इस डिस्ट्रिक्ट के केंद्र में प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक ब्रांड्स के फ्लैगशिप स्टोर्स हैं, जैसे Jawhara Jewellery, Malabar Gold & Diamonds, Al Romaizan, Tanishq और Joyalukkas–जिसका 24,000 वर्ग फुट का मिडिल ईस्ट का सबसे बड़ा आउटलेट एक अनुभव-आधारित (experience-led) प्रारूप में विकसित किया जा रहा है। इस विकास में 1,000 से अधिक होटल रूम, पर्यटकों के लिए आसान पहुँच (जैसे Big Bus hop-on-hop-off रूट्स) और आधुनिक बुनियादी ढाँचा शामिल है, जो पेशेवर खरीदारों और खुदरा ग्राहकों दोनों की जरूरतों को पूरा करता है। इसकी एक प्रमुख आकर्षण "Gold Street" है–दुनिया की पहली ऐसी थीम आधारित सड़क, जिसमें गोल्ड-प्रेरित डिजाइन और इमर्सिव अनुभव शामिल हैं, जिसे चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है और यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनने की दिशा में अग्रसर है।

आर्थिक प्रभाव और दृष्टि

Dubai की D33 Economic Agenda के अनुरूप, यह डिस्ट्रिक्ट गोल्ड और ज्वेलरी वैल्यू चेन में पारदर्शिता, पैमाने और दक्षता को बढ़ाता है। 2024–25 में UAE के गोल्ड निर्यात $53.41 बिलियन तक पहुँचे, जो दुबई की वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े फिजिकल गोल्ड हब के रूप में स्थिति को दर्शाता है। Ahmed Al Khaja (CEO, Dubai Festivals and Retail Establishment) ने इसे व्यापार, संस्कृति और पर्यटन के लिए एक "निर्णायक क्षण" बताया। रिटेलर्स, होलसेलर्स, लॉजिस्टिक्स और लाइफस्टाइल सेवाओं को एक साथ लाकर, यह डिस्ट्रिक्ट $200+ बिलियन के वैश्विक ज्वेलरी बाजार में परंपरा और नवाचार का प्रभावी संगम प्रस्तुत करता है।

हमारे आगामी UAE विशेष अंक के लिए बने रहें, जिसमें रिफाइनर्स, बुलियन डीलर्स, ज्वेलरी मैन्युफैक्चरर्स और वैश्विक ज्वेलर्स से गहन अंतर्दृष्टि और जमीनी स्तर के दृष्टिकोण प्रस्तुत किए जाएंगे, जो यह दर्शाएंगे कि Dubai Gold District किस प्रकार वैश्विक स्वर्ण व्यापार के भविष्य को पुनर्परिभाषित कर रहा है।

■■■

SOVEREIGN METALS LIMITED

INDIA

SOVEREIGN
METALS LIMITED

Sovereign Metals Limited is in the business of refining precious metals (gold and silver) and supplying highest and most consistent quality products and related services and solution to customers at their place of convenience by leveraging its competent and customer-focused human resources, industry-leading technology infrastructure and transparent and globally compliant-sourcing practices.

Sovereign Metals Limited would pursue environmentally sustainable manufacturing practices and would strive to be a world leader in its chosen segment from India.

www.sovereignmetals.in

क्या आज के बाजार में कैश-सेटल्ड गोल्ड और सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट्स की वास्तव में आवश्यकता है?

द्वारा डॉलर-सेटल्ड सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट्स शुरू करने के निर्णय ने कमोडिटी बाजारों के केंद्र में एक मूलभूत बहस को फिर से जीवित कर दिया है:

क्या प्रेशियस मेटल्स फ्यूचर्स को भौतिक डिलीवरी योग्य बने रहना चाहिए, या बाजार सिस्टम में तनाव को प्रबंधित करने के लिए जानबूझकर कैश सेटलमेंट की ओर बढ़ रहा है?

पहली नजर में, कैश-सेटल्ड कॉन्ट्रैक्ट्स एक साधारण उत्पाद नवाचार प्रतीत होते हैं—ट्रेडर्स को मूल्य एक्सपोज़र प्राप्त करने का एक और साधन। लेकिन गोल्ड और सिल्वर बाजारों में हालिया घटनाओं के संदर्भ में देखें, तो इसका समय अधिक गहरे संरचनात्मक प्रश्न उठाता है।

अभी कैश सेटलमेंट क्यों?
यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब फिजिकल गोल्ड और सिल्वर बाजार एक साथ कड़े हो रहे हैं:

- एक्सचेंज इन्वेंट्री में गिरावट
- सिल्वर के लिए औद्योगिक मांग (सोलर, EVs, AI हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स) में तेजी
- गोल्ड के लिए केंद्रीय बैंकों और निवेशकों की मजबूत मांग
- फ्यूचर्स एक्सचेंजों पर डिलीवरी नोटिस में वृद्धि
- एशिया और रिटेल बुलियन बाजार के कुछ हिस्सों में फिजिकल प्रीमियम का बढ़ना

ऐसे माहौल में, भौतिक डिलीवरी वाले कॉन्ट्रैक्ट्स एक्सचेंज वॉल्ट्स पर वास्तविक दबाव डालते हैं। हर वह फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट जो डिलीवरी के लिए खड़ा होता है, उसके लिए मेटल को सोर्स, स्टोर और ट्रांसफर करना पड़ता है।

जब इन्वेंट्री ओपन इंटरेस्ट के मुकाबले कम होती है, तो डिलीवरी का जोखिम केवल सैद्धांतिक नहीं रहता, बल्कि यह एक प्रणालीगत (systemic) जोखिम बन जाता है।

कैश-सेटल्ड कॉन्ट्रैक्ट्स इस दबाव को पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। कोई बार्स मूव नहीं होते, कोई वॉल्ट खाली नहीं होते—पोज़िशन डॉलर में क्लोज होती है, मेटल में नहीं।

एक्सचेंज स्थिरता के दृष्टिकोण से यह तार्किक जोखिम प्रबंधन है, लेकिन मार्केट-स्ट्रक्चर के नजरिए से यह एक बड़ा बदलाव है।

जब सेटलमेंट डॉलर में होता है, तो क्या बदलता है?
फ्यूचर्स मार्केट पारंपरिक रूप से दो स्तंभों पर आधारित होते हैं:

1. प्राइस डिस्कवरी
2. पेपर क्लेम्स को फिजिकल सप्लाई में बदलने की क्षमता

कैश सेटलमेंट पहला स्तंभ बनाए रखता है, लेकिन दूसरे को प्रभावी रूप से हटा देता है।

जब कॉन्ट्रैक्ट्स में डिलीवरी की आवश्यकता नहीं रहती, तो गोल्ड और सिल्वर धीरे-धीरे वास्तविक मेटल उपलब्धता से जुड़े मैकेनिज़्म के बजाय केवल वित्तीय रेफरेंस प्राइस बन जाते हैं। इस स्थिति में सट्टा (speculative) मांग बिना फिजिकल सपोर्ट के बढ़ सकती है, जिससे पेपर मार्केट का विस्तार होता है, जबकि वास्तविक सप्लाई कड़ी बनी रहती है।

इस बदलाव से लाभ किसे होता है:

- प्राइस एक्सपोज़र हेज करने वाले बैंक और मार्केट मेकर्स
- लिक्विडिटी और वॉल्यूम बनाए रखने वाले एक्सचेंज
- वे सट्टेबाज़ जो डिलीवरी लेने का इरादा नहीं रखते

और नुकसान किसे होता है:

- सुनिश्चित सप्लाई चाहने वाले औद्योगिक उपयोगकर्ता
- फ्यूचर्स के माध्यम से मेटल एक्सेस करने वाले फिजिकल निवेशक
- वे प्रतिभागी जो वास्तविक कमी (scarcity) पर आधारित प्राइस डिस्कवरी पर निर्भर हैं

क्या यह एक मिसाल (Precedent) है?
हाँ–और यह पूरी तरह आश्वस्त करने वाला नहीं है। विभिन्न कमोडिटी बाजारों में एक समान पैटर्न उभरता दिख रहा है:

- जब फिजिकल सप्लाई कड़ी होती है
- जब डिलीवरी का जोखिम बढ़ता है
- जब अस्थिरता बाजार के सुचारु संचालन को प्रभावित करती है

तब एक्सचेंज इन्वेंट्री पर दबाव डाले बिना मांग को समाहित करने के लिए पेपर विकल्प–जैसे कैश सेटलमेंट, वैकल्पिक बेंचमार्क या सिंथेटिक एक्सपोज़र–प्रस्तुत करते हैं।

क्या इसका मतलब है कि कैश-सेटल्ड कॉन्ट्रैक्ट्स "खराब" हैं?

जरूरी नहीं–लेकिन इन्हें भौतिक डिलीवरी वाले कॉन्ट्रैक्ट्स का विकल्प नहीं बनना चाहिए।

कैश-सेटल्ड गोल्ड और सिल्वर इंस्ट्रूमेंट्स की अपनी भूमिका है:

- अल्पकालिक हेजिंग के लिए
- मैक्रो ट्रेडर्स के लिए
- बिना लॉजिस्टिक्स के प्राइस एक्सपोज़र के लिए

जोखिम तब उत्पन्न होता है जब कैश सेटलमेंट प्रमुख संरचना बन जाता है, खासकर तब जब फिजिकल सप्लाई पहले से कड़ी हो। उस स्थिति में फ्यूचर्स मार्केट उपलब्धता का संकेत नहीं देते, बल्कि केवल वित्तीय सहमति (financial consensus) को दर्शाते हैं–और सहमति से मेटल का निर्माण नहीं किया जा सकता।

विरोधाभास: क्यों यह फिजिकल मेटल के लिए तेजी (bullish) हो सकता है
विडंबना यह है कि कैश-सेटल्ड कॉन्ट्रैक्ट्स का विस्तार अक्सर फिजिकल कीमतों में तेज़ बढ़त से पहले देखा जाता है।

जब फ्यूचर्स डिलीवरी मैकेनिज़्म के रूप में अपनी विश्वसनीयता खोने लगते हैं:

- स्पॉट प्रीमियम बढ़ते हैं
- फिजिकल सप्लाई प्राप्त करना कठिन हो जाता है
- स्थानीय बाजार स्वतंत्र रूप से कीमत तय करने लगते हैं
- वास्तविक मेटल पेपर बेंचमार्क के मुकाबले प्रीमियम पर ट्रेड करता है

यह स्थिति भारत, चीन और रिटेल बुलियन बाजारों के कुछ हिस्सों में पहले से दिखाई दे रही है।

आप गोल्ड या सिल्वर की कमी को कैश में सेटल कर सकते हैं–लेकिन केवल डॉलर के सहारे सोलर प्लांट, रिफाइनरी या वॉल्ट नहीं चला सकते।

बड़ा सवाल जिसे बाजार को जवाब देना होगा
असल मुद्दा यह नहीं है कि कैश-सेटल्ड गोल्ड और सिल्वर

कॉन्ट्रैक्ट्स उपयोगी हैं या नहीं। सवाल यह है:

क्या ये फिजिकली बैक्ड मार्केट्स के साथ सह-अस्तित्व में रहेंगे, या धीरे-धीरे उन्हें प्रतिस्थापित कर देंगे–ऐसे समय में जब फिजिकल मांग संरचनात्मक रूप से बढ़ रही है?

यदि यह रुझान जारी रहता है, तो बाजार में यह स्थिति बन सकती है:

- स्थिर पेपर प्राइस
- बढ़ते हुए अस्थिर फिजिकल प्रीमियम
- और "कोटेड" मेटल और "उपलब्ध" मेटल के बीच बढ़ता अंतर

यह अंतर नकारात्मक संकेत नहीं है–
यह एक चेतावनी संकेत है।

निष्कर्ष
कैश-सेटल्ड गोल्ड और सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट्स की ओर बढ़ना नवाचार से अधिक तनाव प्रबंधन का संकेत है। यह इस बात को दर्शाता है कि फिजिकल बाजार कड़े हो रहे हैं–और हर जगह डिलीवरी को मजबूर करना कुछ असहज सीमाओं को उजागर कर सकता है।

इतिहास बताता है कि जब एक्सचेंज पेपर-आधारित समाधानों पर अधिक निर्भर होने लगते हैं, तो यह अक्सर वास्तविक कमोडिटीज़ में बड़े रीप्राइसिंग के शुरुआती चरण का संकेत होता है।

फिजिकल मेटल गायब नहीं होता–
वह केवल अधिक दुर्लभ और अधिक मूल्यवान हो जाता है।

■■■

भारत सिल्वर तथ्य पत्रक (2024–2025)

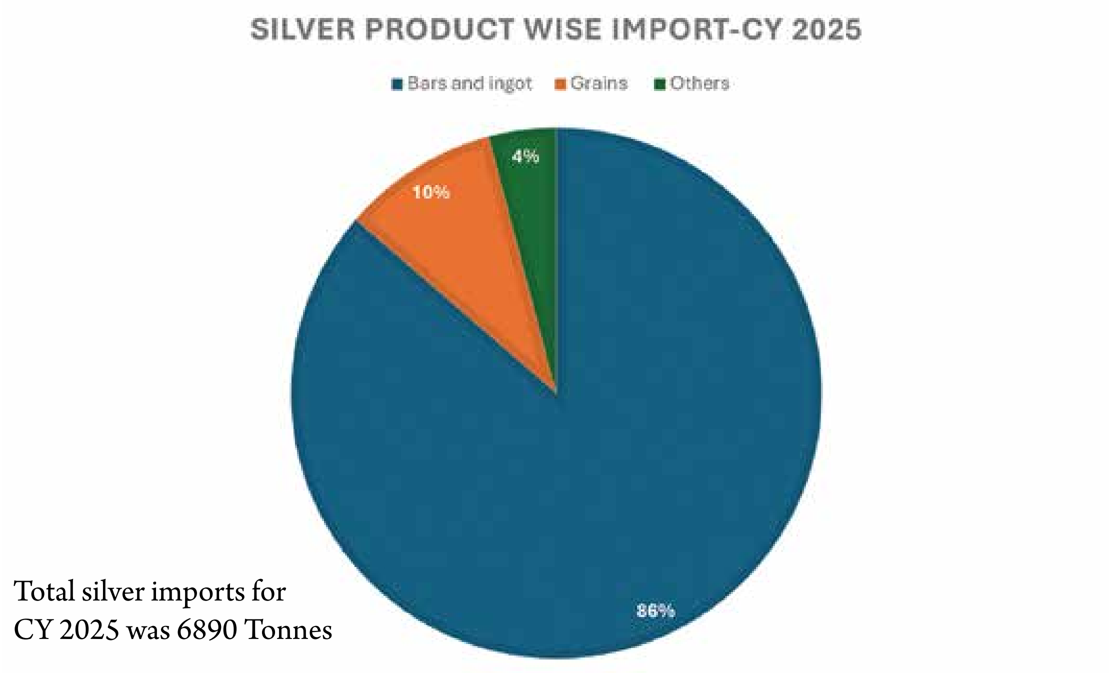

Silver prices exhibited sharp upward trajectories from 2024 to 2025, with highs reaching up to 26% gains, fueled by global demand and market rallies. Notably, volatility intensified in 2025, evident in amplified monthly swings and wider spreads between highs and lows compared to the steadier 2024 trends.

Silver ETFs witnessed explosive growth in AUM in India, with the investor base surging from 1.37 billion in 2024 to 7.98 billion in 2025

Silver ETFs witnessed explosive retail adoption in India, with the investor base surging from 0.62 million in 2024 to 3.21 million in 2025-an over 700% growth.

This reflects heightened interest amid favorable market conditions and silver's industrial demand.

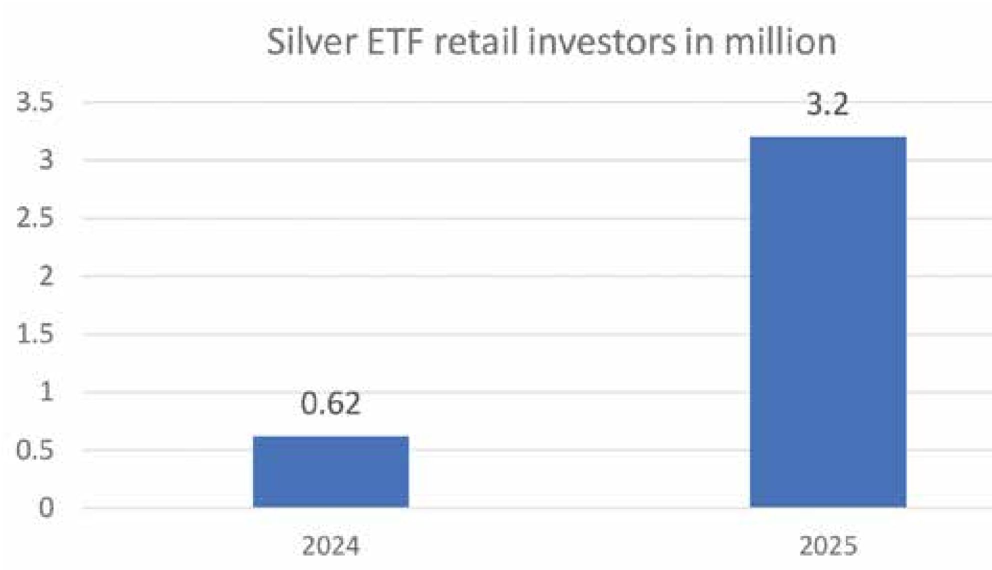

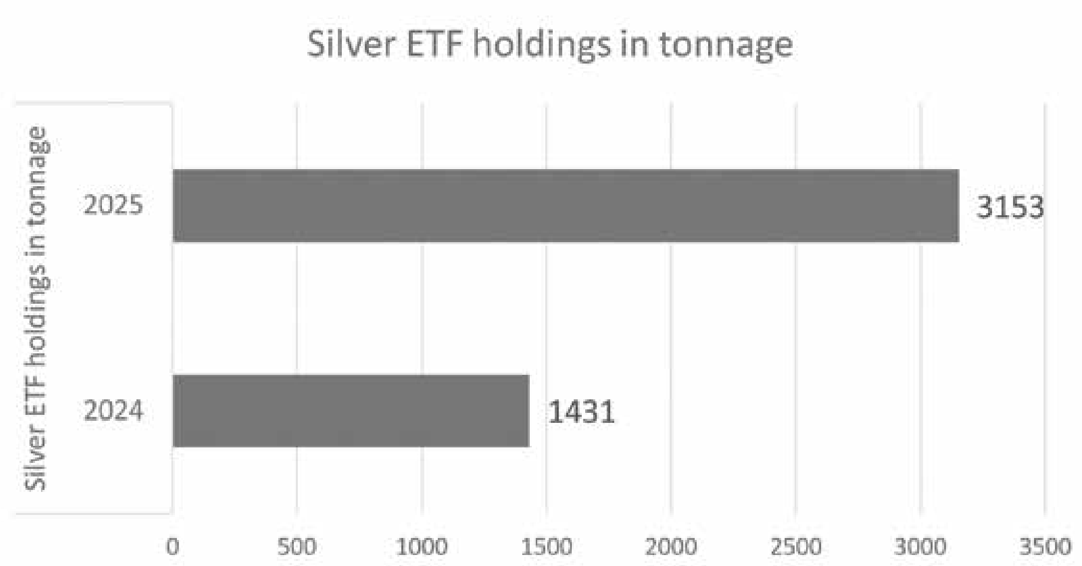

भारत स्वर्ण तथ्य पत्रक 2024–2025

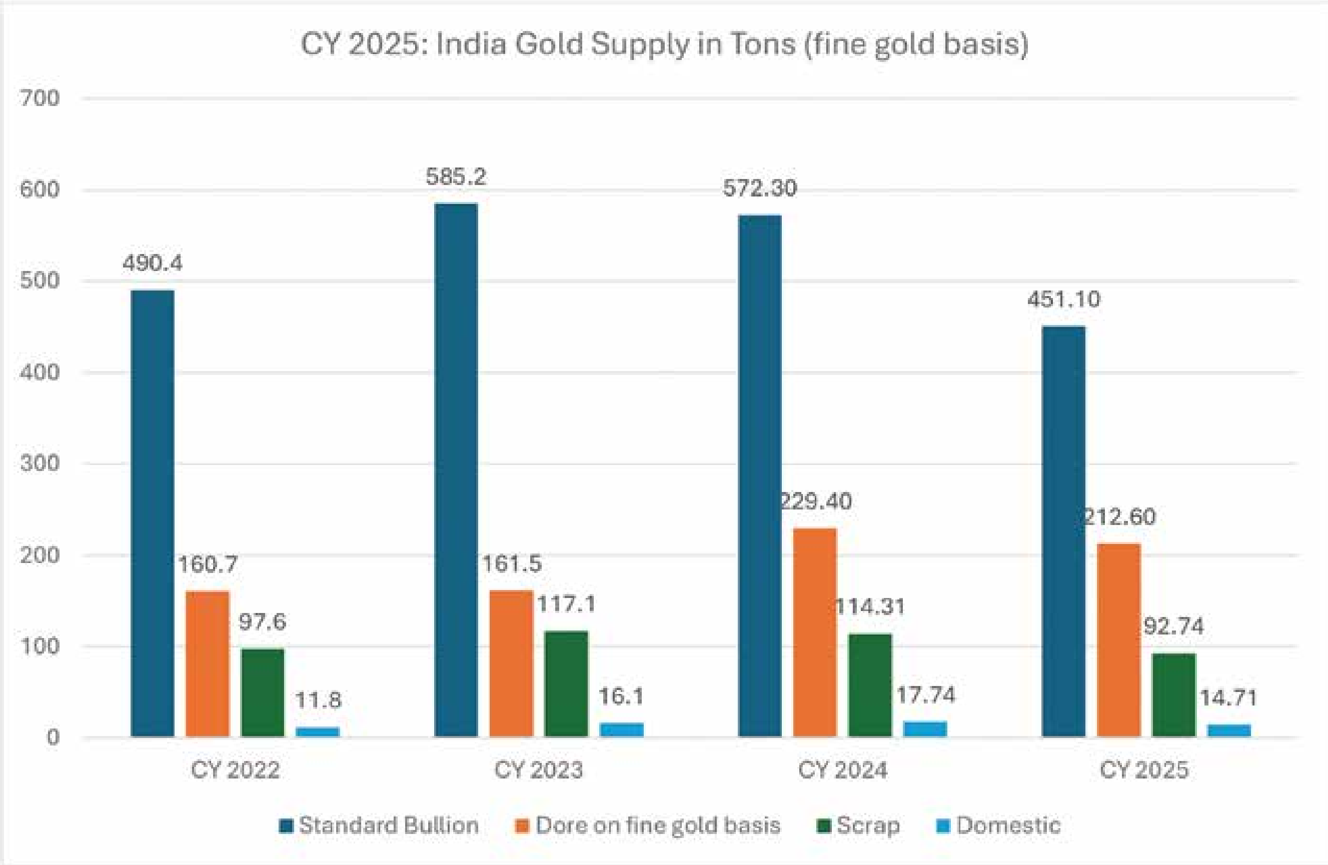

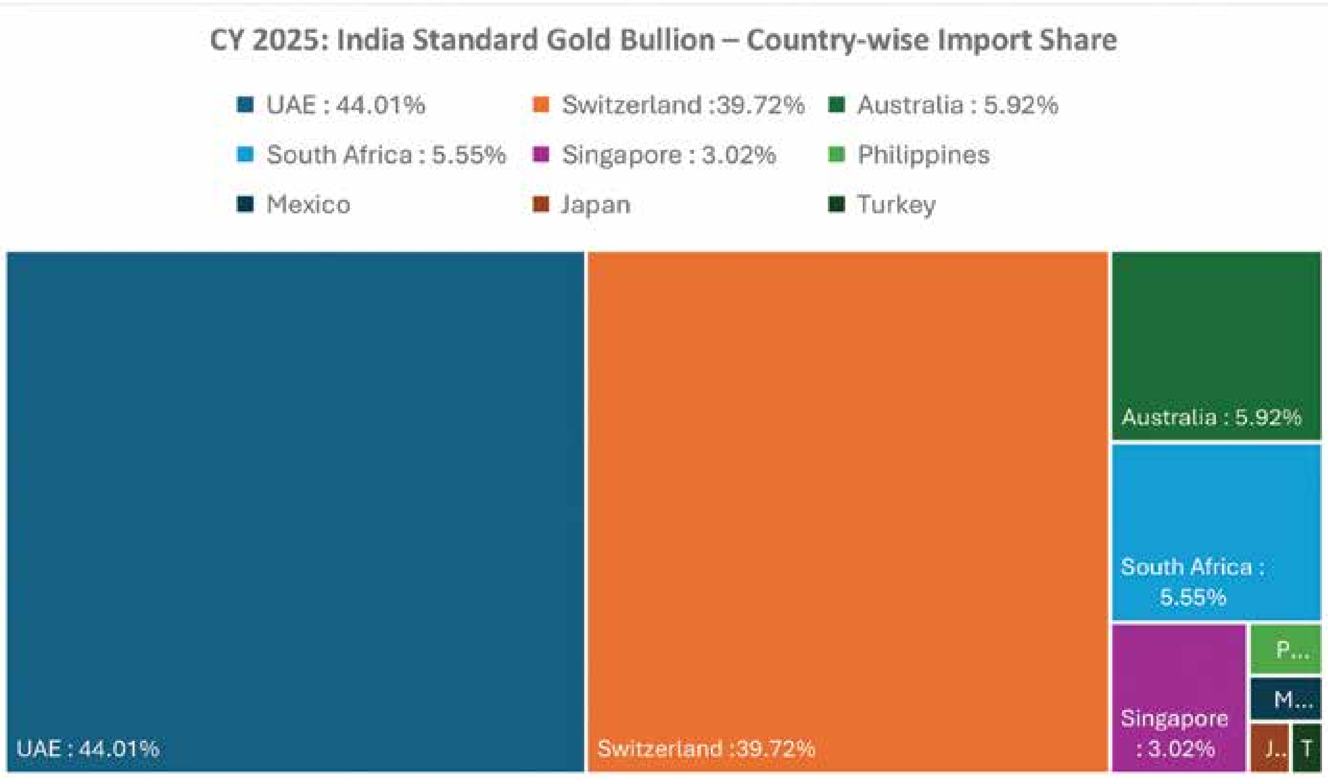

Gold prices delivered steep average growth across 2024-2025, with highs and lows climbing progressively from February peaks, culminating in 2025's accelerated rallies that amplified monthly volatility and trading ranges for heightened market drama.

Gold ETF AUM in India rocketed from $4.19 billion in 2024 to a whopping $20.25 billion in 2025 a blistering leap that underscores surging investor confidence and gold's magnetic pull as an inflation hedge in a dynamic economy.

Gold ETF holdings in India swelled dramatically from 57.46 tons in 2024 to 93.83 tons in 2025—a potent 70% vault-filling surge that cements the nation's rising clout in global gold investment, drawing savvy portfolios to this timeless store of value.

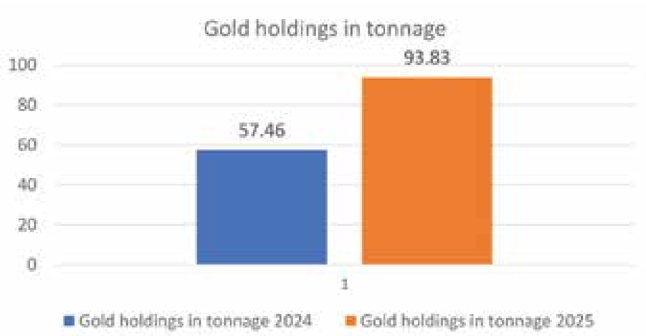

बुलियन - डेटा एवं सांख्यिकी

IBJA Rates and LBMA Gold & Silver Price (Per Troy Ounce)

	IBJA Rates		GOLD AM		GOLD PM		SILVER			
DATE	Gold 999 (PM Price) 10 Gms IBJA	Gold 916 (PM Price) 10 Gms IBJA	USD AM	EUR AM	USD PM	EUR PM	DATE	**IBJA Rates**	USD	EUR
01-01-2026	133461	122250	4386.85	3744.62	4352.95	3710.09	02-01-2026	229250	74.22	63.31
02-01-2026	134782	123460	4436.70	3797.82	4456.40	3811.56	05-01-2026	234550	75.07	64.27
05-01-2026	136168	124730	4452.75	3801.76	4490.35	3835.21	06-01-2026	237063	78.48	67.02
06-01-2026	136660	125181	4459.55	3814.70	4438.00	3796.71	07-01-2026	243150	78.99	67.56
07-01-2026	136675	125194	4432.10	3794.76	4429.35	3798.17	08-01-2026	248000	75.21	67.56
08-01-2026	135773	124368	4471.20	3840.76	4493.85	3862.91	09-01-2026	235826	78.14	67.11
09-01-2026	137122	125604	4587.70	3927.99	4612.95	3950.07	12-01-2026	242808	84.07	71.99
12-01-2026	140449	128651	4282.80	3927.00	4623.05	3966.11	13-01-2026	256776	85.82	73.56
13-01-2026	140284	128500	4633.00	3975.58	4606.50	3952.38	14-01-2026	263032	91.10	78.22
14-01-2026	142015	130086	4611.10	3961.86	4610.85	3974.55	15-01-2026	277512	91.27	78.46
16-01-2026	141593	129699	4607.25	3967.30	4611.05	3967.81	16-01-2026	281890	90.80	78.13
19-01-2026	143946	131855	4664.95	4013.26	4666.85	4009.29	19-01-2026	293975	93.01	79.99
20-01-2026	147409	135027	4723.95	4030.95	4747.80	4050.35	20-01-2026	309345	95.70	81.56
21-01-2026	154227	141272	4860.75	4153.02	4866.50	4150.15	21-01-2026	319097	94.86	80.99
22-01-2026	151128	138433	4825.55	4128.26	4832.05	4121.74	21-01-2026	299711	93.38	79.80
23-01-2026	154310	141348	4926.20	4198.11	4946.25	4210.74	23-01-2026	317705	99.00	84.35
27-01-2026	158901	145553	5093.55	4294.37	5090.80	4286.45	26-01-2026	344564	109.61	92.45
28-01-2026	164635	150806	5088.10	4282.65	5064.25	4235.23	27-01-2026	358267	111.57	93.78
29-01-2026	175340	160611	5277.80	4406.96	5306.95	4436.08	28-01-2026	379988	112.80	94.25
30-01-2026	165795	151868	5501.70	4602.72	5405.00	4521.82	29-01-2026	339350	118.45	99.15

Disclaimer: All references to LBMA Gold Price are used with the permission of ICE Benchmark Administration Limited and have been provided for informational purposes only. ICE Benchmark Administration Limited accepts no liability or responsibility for the accuracy of the prices or the underlying product to which the prices may be referenced.

LBMA Silver Price ("Benchmark") is owned by The London Bullion Market Association ("LBMA"), calculated by CME Benchmark Europe Ltd. ("CMEBEL") and administered by Thomson Reuters Benchmark Services Ltd. ("TRBSL").

None of LBMA, CMEBEL, TRBSL, their group companies, nor any of their or their group companies' respective directors, officers, employees or agents (collectively the "Disclaiming Parties") shall be liable in respect of the accuracy or the completeness of the Benchmark or the market data related thereto ("Market Data") and none of the disclaiming parties shall have any liability for any errors, omissions, delays or interruptions in providing the Benchmark or market data.

SBMA

Singapore Bullion Market Association
9 Raffles Place, Level 58, Republic Plaza, Singapore 048619
Telephone: +65 6823 1301 | www.sbma.org.sg

DEVELOPING, DRIVING AND CONNECTING ASIA PACIFIC BULLION MARKET

WE BRIDGE OPPORTUNITIES TO GROW YOUR PRECIOUS METALS BUSINESS

OUR VISION & MISSION

Our vision is for Singapore to emerge as a leading precious metals hub in the Asia Pacific region and a global centre of connectivity for precious metals.

Our mission is to support member companies in expanding their businesses within Singapore and leveraging the nation as a launchpad to propel their operations into the Asia Pacific region.

MEMBERSHIP

SBMA is a non-profit member-driven organisation that represents our members from the precious metals industry, including but not limited to bullion banks, exchanges, refineries, trading firms and logistics companies. Our members enjoy wide-ranging benefits from their membership.

FIND OUT MORE:

CORPORATE BROCHURE

बुलियन - डेटा एवं सांख्यिकी

Gold Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Gold	01st Jan	31th Jan	% Change
Australia (AUD)	6484.83	7042.05	8.59
Britain (GBP)	3216.53	3574.52	11.13
Canada (CAD)	5936.91	6657.63	12.14
Europe (Euro)	3686.66	4126.81	11.94
Japan (Yen)	678559.00	756466.00	11.48
Switzerland (CHF)	3432.52	3781.08	10.15
USA (USD)	4325.44	4893.7	13.14

Silver Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Silver	01st Jan	30th Jan	% Change
Australia (AUD)	107.14	122.86	14.67
Britain (GBP)	53.14	62.33	17.29
Canada (CAD)	98.09	116.08	18.34
Europe (Euro)	60.91	71.94	18.11
Japan (Yen)	11211	13190	17.65
Switzerland (CHF)	56.71	65.89	16.19
USA (USD)	71.47	85.34	19.41

Monthly Exchange Data (Gold) (From January 01-30)						
Exchange	**Contract**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Gold April 26	4377.40	5626.80	4352.30	4745.10	8.49
SHANGHAI –SHFE[4]	Gold April 26	992.00	1258.72	966.66	1196.92	21.78
MCX[1]	Gold April 26	139001.00	193096.00	139001.00	152345.00	9.44
TOCOM[3]	Gold April 26	21943.00	27600.00	21940.00	25923.00	17.93

1- Rs/10 gms, 2- $/oz, 3- Jpy/gm 4 (RMB) Yuan/gram 5 - $/gram

Monthly Exchange Data (Silver) ((From January 01-30)						
Exchange	**Contract**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Silver Mar 26	72.17	122.68	71.11	79.14	79.14
MCX[1]	Silver Mar 26	241683.00	439337.00	239688.00	310382.00	310382.00
TOCOM[3]	Silver April 26	369.90	570.00	364.00	570.00	570.00

1- Rs/kg, 2- $/oz, 3- Jpy 0.1/gm

Gold Spot Market, India			Rs/10gm
Spot Gold	**01st Jan**	**30th Jan**	**% chg**
Ahmedabad	132941.00	164389.00	23.66
Bangalore	131500.00	165380.00	25.76
Chennai	130620.00	170100.00	30.23
Delhi	131040.00	165270.00	26.12
Mumbai	132927.00	165131.00	24.23
Hyderabad	130620.00	170100.00	30.23
Kolkata	131570.00	165800.00	26.02

Currency Change (Monthly)		
	01st Jan	**30th Jan**
EUR/USD	1.17	1.19
USD/AUD	1.50	1.44
USD/GBP	1.35	1.37
USD/INR	89.97	91.69
USD/JPY	156.67	154.77

Silver Spot Market, India			Rs/kg
Spot Silver	**01st Jan**	**30th Jan**	**% chg**
Mumbai	229250.00	339350.00	48.03

www.mcxindia.com
www.Ncdex.com
www.cmegroup.com
www.tocom.or.jp/Indian
www.barchart.com

www.forexpros.com
Domestic Spot precious metals prices Newspaper
www.lbma.org.uk/index.html
www.netdania.com

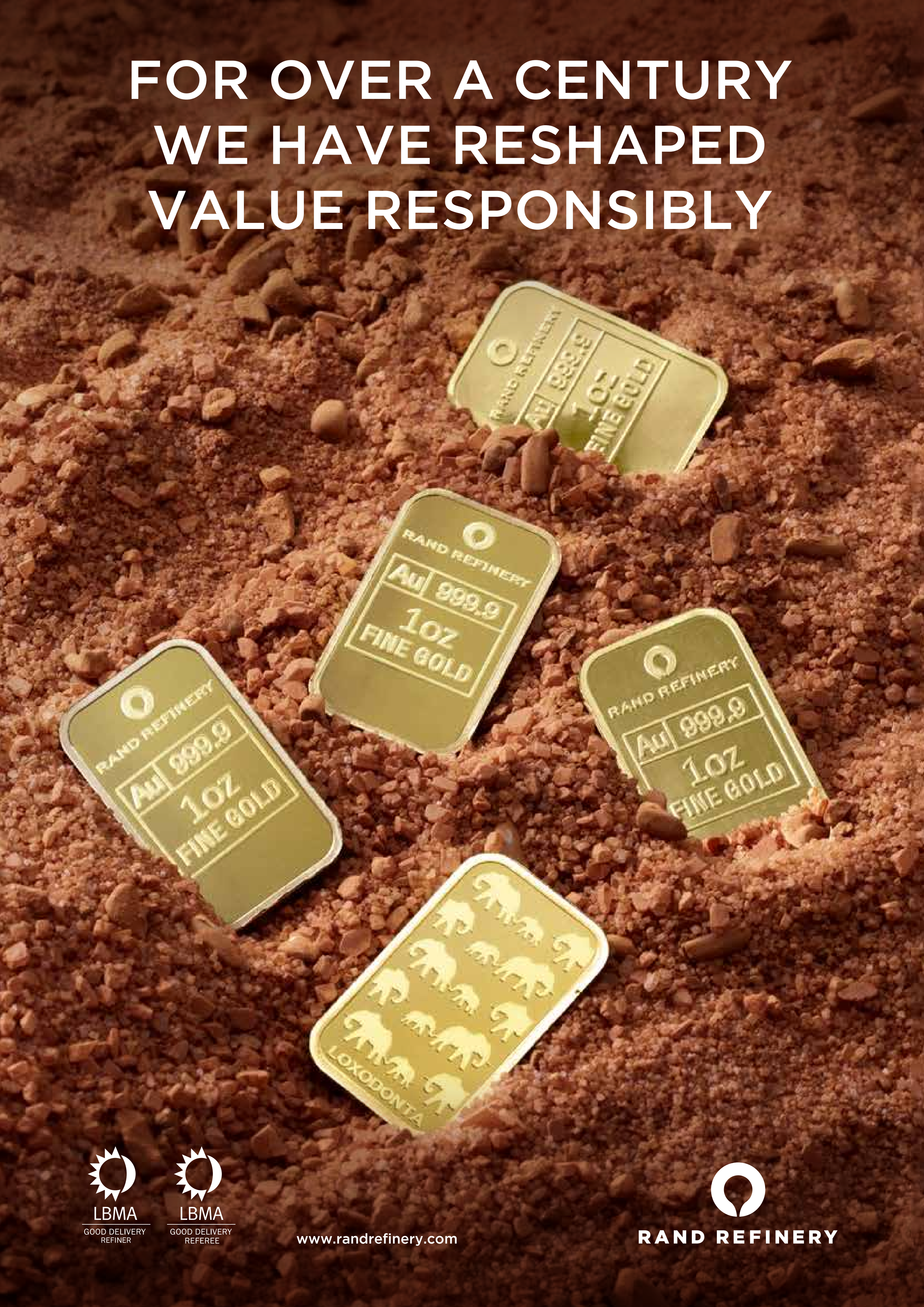
FOR OVER A CENTURY
WE HAVE RESHAPED
VALUE RESPONSIBLY
RAND REFINERY
Au 999.9
1oz
FINE GOLD
LOXODONTA
LBMA
GOOD DELIVERY
REFINER
LBMA
GOOD DELIVERY
REFEREE
www.randrefinery.com
RAND REFINERY

DIGIGOLD™
RESERVING TODAY & TOMORROW

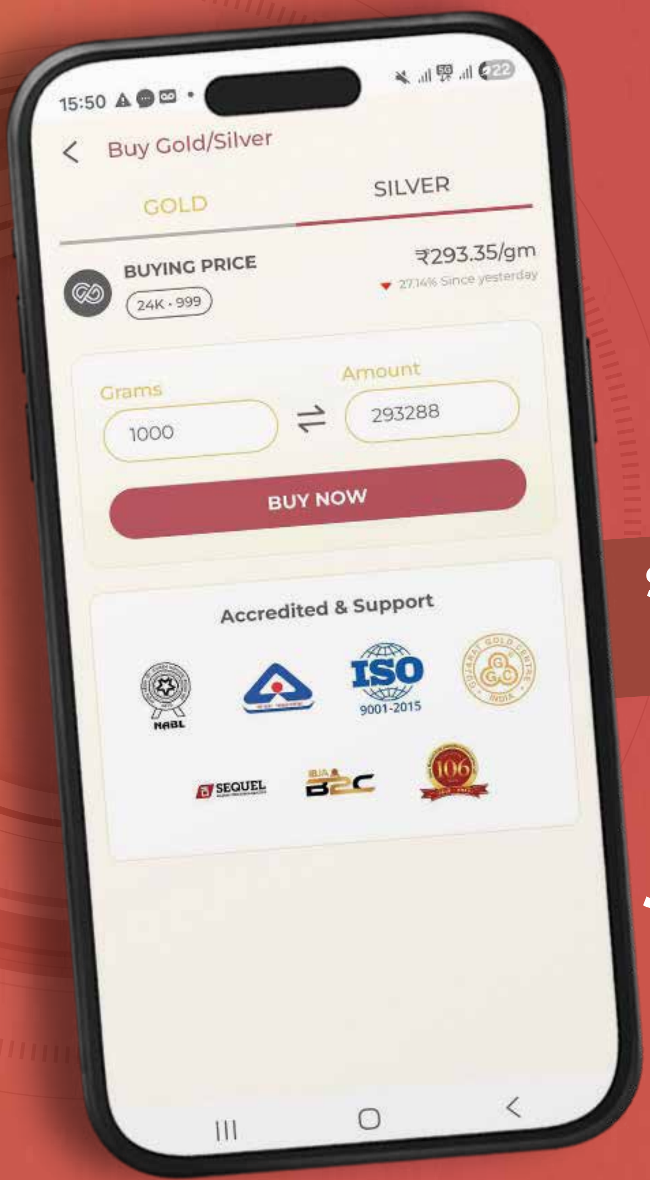

Stop Waiting
for the Right Time! It's already here.

Silver is peaking.
Grab it before it's gone.

Starts with just ₹10

Join the growing community of 2,00,000+ DigiGold investors.

Download the **DIGIGOLD App** today

Preferred Refinery

Powered by Amrapali Gujarat

www.digigold.com

fleek.media

IAGES

Indian Association for Gold Excellence and Standards

An Industry Initiative

GJEPC INDIA

Partners

Be part of IAGES accredited jewellers network

Because customers trust jewellers backed by IAGES Accreditation.

#Pehla✓CheckIAGES

Join the Mission. Register with IAGES

Eligible Businesses:

Refining | Bullion Trading | Manufacturing | Assaying & Hallmarking

Retailing | Digital Gold Retailing

Check IAGES Accredited Partners:

Connect with us at:

1800 309 2424 | www.iages.com

MMTC-PAMP
Swiss Excellence. Made in India.

THE QUEEN WHO DEFINED AN ERA, NOW EMBOSSED IN GOLD

THE OXFORD MINT SOVEREIGN 22K 916.7+ 8g PURE GOLD COIN

THE OXFORD MINT SOVEREIGN GOLD COIN 8g

VOTED AS MOST TRUSTED BRAND OF THE NATION